विशाल इण्डिया

गौतमबुद्धनगर से प्रकाशित

सच्चाई की राह पर!

वर्ष : 13 | अंक : 147 | गौतमबुद्धनगर, शुक्रवार 26 अप्रैल 2024 | पृष्ठ : 08 मूल्य : 02 रूपये | आरएनआई नं. UPHIN/2014/55236

P- 3

चुनाव के दौरान मदद करेगा ई-संपर्क नोएडा

P- 4

प्रतापगढ़ में शादी से लौट रही महिला से गैंगरेप, पति को डंडों से पीटकर पत्नी

P- 5

अमेरिका, ब्रिटेन समेत कई देशों की सलाह मानने से इजराइल का इंकार

P- 6

दिल्ली में शुक्रवार नहीं होगा मेयर इलेशन? 'आप' का आरोप- एलजी

हैप्पी मॉर्निंग

डॉक्टर- कैसे हो? शराब पीना बंद किया या नहीं?
मरीज- जी डॉक्टर साहब, बिल्कुल छोड़ दिया है, बस कोई ज्यादा रिक्वेस्ट करता है तो पी लेता हूं। डॉक्टर- बहुत बढ़िया... और यह तुम्हारे साथ कौन भाई साहब हैं? मरीज- जी इनको रिक्वेस्ट करने के लिए रखा हुआ है।

शायरी

जब देश में थी दीवाली, वो खेल रहे थे होली
जब हम बैठे थे घरों में, वो झेल रहे थे गोली

अर्थसार

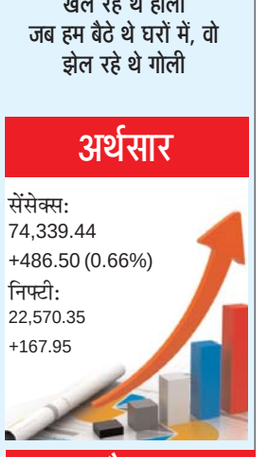

सेंसेक्स:
74,339.44
+486.50 (0.66%)
निफ्टी:
22,570.35
+167.95

मौसम

अधिकतम : 39 डिग्री से0
न्यूनतम : 24 डिग्री से
सूयोदय शनिवार : 5 : 43
सूर्यास्त शुक्रवार : 6 : 53

तमिलनाडु के किसानों ने किया अनोखा प्रदर्शन

दिल्ली। दिल्ली के जंतर-मंतर पर तमिलनडु से आए किसानों ने प्रदर्शन किया। लगभग 100 किसान अपनी मांगो को लेकर दिल्ली पहुंचे है। कुछ प्रदर्शनकारियों ने पेड़ पर चढ़कर प्रदर्शन किया तो वही एक किसान ने मोबाइल टावर पर चढ़कर प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारी अपने साथ आत्महत्या किये हुए किसानों की खोपड़ी और हड्डियां भी लेकर आए है और उसके साथ प्रदर्शन कर रहे है। किसान दिल्ली अपने मांगो को लेकर आए है उनकी मांगे है की किसान फसलों की दोगुनी कीमत मिले, किसान को व्यक्तिगत बिमा, 5000 रूपए पेंशन और भारत में सभी नदियों को जोड़ने की मांग कर रहे है।

13 राज्यों की 88 सीटों पर वोटिंग आज

2019 में भाजपा 50, कांग्रेस 21 और एनडीए के सहयोगी दलों ने 8 सीटें जीती थीं

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव के सेकेंड फेज में शुक्रवार (26 अप्रैल) को 12 राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश की 88 सीटों पर वोटिंग होगी।

पहले इस फेज में 89 सीटों पर वोटिंग होनी थी, लेकिन मध्य प्रदेश की बैतूल सीट पर बसपा प्रत्याशी के निधन के बाद इस सीट पर अब 7 मई को चुनाव होंगे। 2019 में इन सीटों पर सबसे ज्यादा भाजपा को 50 और एनडीए के सहयोगी दलों ने 8 सीटें जीती थीं। कांग्रेस के खाते में 21 सीटें गईं थीं। अन्य को 9 सीटें मिली थीं।

चुनाव आयोग के मुताबिक, इलेक्शन के दूसरे फेज में 1,198 कैंडिडेट्स मैदान में हैं। इनमें 1,097 पुरुष और 100 महिला उम्मीदवार हैं। एक प्रत्याशी थर्ड जेंडर है।

एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म ने 1,192 उम्मीदवारों के हलफनामे में दी गई जानकारी पर एक रिपोर्ट तैयार की। इनमें से 21 प्रतिशत यानी 250 उम्मीदवार पर क्रिमिनल केस दर्ज हैं।

390 यानी 33 प्रतिशत उम्मीदवार करोड़पति हैं। इनके पास एक करोड़ या उससे ज्यादा की संपत्ति है। 6 उम्मीदवारों ने अपनी संपत्ति शून्य बताई है, जबकि तीन के पास 500 से 1,000 रुपए की संपत्ति है।

167 कैंडिडेट्स पर हत्या, किडनैपिंग, 21 पर हेट स्पीच का मामला

एडीआर की रिपोर्ट के मुताबिक, 14 फीसदी यानी 167 ऐसे उम्मीदवार हैं, जिन पर गंभीर मामले दर्ज हैं। गंभीर मामलों में हत्या, किडनैपिंग जैसे अपराध शामिल होते हैं। 3 उम्मीदवारों पर हत्या और 24 पर हत्या की कोशिश के मामले दर्ज हैं। 25 उम्मीदवारों पर महिलाओं के खिलाफ अपराध के मामले दर्ज हैं। इनमें से एक पर रेप का मामला भी दर्ज है। वहीं, 21 कैंडिडेट्स पर हेट स्पीच से जुड़े मामले दर्ज हैं।

केरल के 3 कैंडिडेट्स पर सबसे ज्यादा क्रिमिनल केस

केरल के भाजपा अध्यक्ष और वायनाड सीट से उम्मीदवार के. सुरेंद्रन पर सबसे ज्यादा 243 आपराधिक मामले दर्ज हैं। वहीं, राज्य की ही एर्नाकुलम सीट से भाजपा कैंडिडेट डॉ. के.एस. राधाकृष्णन पर 211 आपराधिक मामले दर्ज हैं। तीसरे नंबर पर इडुक्की सीट से कांग्रेस उम्मीदवार डीन कुरियाकोस पर 88 आपराधिक मामले दर्ज हैं।

एडीआर के मुताबिक, सेकेंड फेज में 1,192 उम्मीदवारों में से 390 यानी 33 फीसदी उम्मीदवार करोड़पति हैं। इनके पास एक करोड़ या उससे ज्यादा की संपत्ति है।

कैंडिडेट्स के पास औसत संपत्ति 5.17 करोड़ रुपए है। 6 उम्मीदवारों ने अपनी संपत्ति शून्य बताई है, जबकि तीन के पास 300 से 1,000 रुपए की संपत्ति है।

पटना के होटल में आग, 6 की मौत

20 घायल पीएमसीएच में भर्ती, 45 का रेस्क्यू; कई लोगों ने कूदकर बचाई जान

पटना। पटना जंक्शन से 50 मीटर दूर पाल होटल में गुरुवार सुबह अचानक आग लग गई। आग ने आसपास के 3 होटलों को भी अपनी चपेट में ले लिया। हादसे में मां-बेटी समेत 6 लोगों की मौत हुई है। इसमें 3 महिला और 3 पुरुष हैं। सिटी एसपी सेंट्रल सत्यप्रकाश ने बताया कि घायलों में 2 की हालत गंभीर बनी हुई है। जबकि 20 लोगों का इलाज अभी पटना मेडिकल कॉलेज में चल रहा है।

मृतकों में चार की पहचान हुई है। इसमें एक की पहचान दिनेश सिंह कुशवाहा के रूप में हुई है, जो होटल में ही काम करते थे। भभुआ जिले के नखतौल के रहनेवाले थे। इसके अलावा राज लोखी और उसकी बेटी राज लक्ष्मी है, जो पश्चिम बंगाल के पुरुलिया जिले के रहने वाली थी। चौथे की पहचान राहुल कुमार के रूप में की गई है, जो भोजपुर के रहने वाला था। बाकी 2 लोगों की पहचान नहीं हो पाई है, कोशिश की जा रही है। आग की लपटों के बीच 45 लोगों को निकाला गया है। 2 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया है।

फायर ब्रिगेड की 51 गाड़ियों का पानी आग बुझाने में लगा। आग बुझाने के बाद रेस्क्यू के लिए टीम होटल के अंदर गई, जहां शव को निकाला गया। आग लगने के कारण पटना स्टेशन जाने वाले रास्ते को बंद किया गया था। बिल्डिंग 4 मंजिला थी। सभी फ्लोर पर आग फैली हुई थी। बिल्डिंग में फंसे लोगों को निकालने के लिए हाइड्रा क्रेन का भी सहारा लिया गया। बताया जाता है कि आग लगने से होटल में रखे सिलेंडर में ब्लास्ट हुए, इससे आग भड़क गई। आग ने होटल की पास वाली बिल्डिंग को भी अपनी जद में ले लिया था।

होटल में नाश्ता करने पहुंचे BSF जवान ने बताया- मैं ऑर्डर देने के बाद हाथ धोने गया था। वो लोग मसाला डाल रहे थे। अचानक प्लास्टिक में आग लगी फिर सिलेंडर ने आग पकड़ ली। पहला सिलेंडर ब्लास्ट हुआ, फिर दूसरा सिलेंडर ब्लास्ट हुआ। नीचे से ऊपर आग फैलती चली गई। तीन लोग नीचे कूद गए। एक महिला भी जान बचाने के लिए नीचे कूदी। एक युवक का पैर टूट गया।

अरुणाचल प्रदेश में लैंड स्लाइड

नेशनल हाईवे-313 का बड़ा हिस्सा ढहा, चीन सीमा से सटी दिबांग वैली का संपर्क देश से टूटा

ईटानगर। अरुणाचल प्रदेश के दिबांग वैली में लैंड स्लाइड के चलते नेशनल हाईवे-313 का बड़ा हिस्सा ढह गया है। चीन सीमा से लगे दिबांग वैली जिले का संपर्क पूरे देश से कट गया। दिबांग वैली जिला प्रशासन के मुताबिक बुधवार को हाईवे पर लैंडस्लाइड हुई।

1. अधिकारियों के मुताबिक, लैंड स्लाइड में ढहे हिस्से के कंस्ट्रक्शन में कम से कम 3 दिन लगेंगे।

2. कई दिनों से दिबांग वैली में जारी बारिश जारी की वजह से लैंड स्लाइड।

3. दिबांग वैली को पूरे देश से नेशनल हाईवे 313 जोड़ता है।

हुनली और अनीनि के बीच हाईवे का हिस्सा ढहा

अधिकारियों के मुताबिक, दिबांग वैली में पिछले कई दिनों से भारी बारिश हो रही है। हुनली और अनीनि के बीच हाईवे 313 का काफी बड़ा हिस्सा लैंड स्लाइड में ढह गया है। हाई-वे की मरम्मत के लिए टीम भेजी गई है।

अरुणाचल के मुख्यमंत्री पेमा खांडू कहा कि दिबांग वैली में लैंड स्लाइड की खबर मिली है।

हाईवे-313 से ही दिबांग वैली पूरे देश से कनेक्ट होती है। हमने तुरंत संपर्क स्थापित करने के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए हैं।

चुनावी खर्च

2019 चुनाव में 60,000 करोड़ खर्च हुए; 2020 यूएस इलेक्शन में 1.2 लाख करोड़ खर्च

एक्सपर्ट का दावा-इस चुनाव में 1.35 लाख करोड़ खर्च अनुमानित

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव-2024 में 1.35 लाख करोड़ खर्च हो सकते हैं। ये दावा सेंटर फॉर मीडिया स्टडीज (ष्ट्रस्क) के प्रमुख एन भास्कर राव ने किया है। सीएमएस बीते 35 साल से चुनाव में खर्च का लेखा-जोखा रख रहा है।

न्यूज एजेंसी को दिए इंटरव्यू में राव ने बताया, भारत में इस बार 96.6 करोड़ वोटर हैं। इस लिहाज से प्रति मतदाता खर्च करीब 1,400 रुपए अनुमानित है।

2019 लोकसभा चुनाव में 60 हजार करोड़ रुपए खर्च हुए थे। वहीं, एक नॉन प्रॉफिट ऑर्गनाइजेशन OpenSecrets.org के मुताबिक, 2020 के अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में 1.2 लाख करोड़ (14.4 बिलियन डॉलर) खर्च हुए थे। वॉशिंगटन स्थित OpenSecrets.org अमेरिकी नेताओं के कैंपेन खर्च और लॉबिंग पर नजर रखता है।

चुनाव में खर्च के अनुमान पर राव कहते हैं कि इसके लिए चुनाव से जुड़े प्रत्यक्ष और परोक्ष सभी तरह के खर्चों को शामिल किया गया है।

इसमें राजनीतिक दलों और संगठनों, उम्मीदवार, सरकार और चुनाव आयोग की तरफ से किया जाने वाला खर्च भी शामिल है।

राव ने बताया कि हमने इस चुनाव में पहले 1.2 लाख करोड़ खर्च का अनुमान लगाया था। बाद में जब इलेक्टोरल बॉन्ड की बात सामने आई तो इसे 1.35 लाख करोड़ कर दिया। हमारा ये आकलन चुनाव तारीखों के ऐलान से 3-4 महीने पहले का है। राव ने बताया कि चुनावी प्रक्रिया में इलेक्टोरल बॉन्ड से इतर कई जगहों से पैसा आता है।

एक्सपर्ट्स बोले- मेटा, गूगल भी कैंपेन में अहम भूमिका निभाते हैं

एक लीडिंग एडवरटाइजिंग एजेंसी डेंट्सू क्रिएटिव के सीईओ अमित वाधवा कहते हैं- राजनीतिक दल आजकल कॉर्पोरेट्स ब्रांड्स के जैसे बर्ताव करते हैं। वे प्रचार के लिए प्रोफेशनल एजेंसीज को हायर करते हैं, ताकि उनकी बेहतर ब्रांडिंग हो। इसमें डायरेक्ट और इनडायरेक्ट डिजिटल कैंपेन शामिल होता है। एक टॉप एजेंसी के ऑफिशियल के मुताबिक, किसी राजनीतिक विचारधारा से न जुड़ा वोटर, जिन्हें बाड़ पर बैठा व्यक्ति कहा जाता है, इन पर पार्टियों की नजर होती है।

वहीं, मेटा और गूगल जैसे सोशल मीडिया दिग्गज भी पॉलिटिकल कैंपेन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

भारत में पॉलिटिकल फंडिंग में पारदर्शिता का अभाव

हाल ही में एसोसिएशन ऑफ डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स ने कहा था कि भारत में होने वाली पॉलिटिकल फंडिंग में ट्रांसपेरेंसी की कमी है। एडीआर ने दावा किया था कि 2004-05 से 2022-23 तक भारत की 6 बड़ी राष्ट्रीय पार्टियों को कुल फंडिंग की 60 प्रतिशत रकम मिली। ये रकम 19,083 करोड़ थी। ये पैसा अघोषित सूत्रों से आया। हालांकि, एडीआर ने लोकसभा चुनाव में खर्च को लेकर किसी तरह का अनुमान जारी नहीं किया।

खड़गे ने घोषणा पत्र समझने को मोदी से मांगा मिलने का समय

नयी दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कांग्रेस के घोषणा पत्र को लेकर बार-बार गलत बयान दे रहे हैं इसलिए पार्टी का घोषणा पत्र समझाने के लिए उन्होंने मोदी को पत्र लिखकर मिलने का समय मांगा है। खड़गे ने कहा कि प्रधानमंत्री से मिलकर वह कांग्रेस के घोषणा पत्र के बिन्दुओं को लेकर उनसे वस्तुस्थिति स्पष्ट कर सुनिश्चित करना चाहते हैं कि अगली बार देश के प्रधानमंत्री कोई गलत बयान न दें।

खड़गे ने कहा कि मोदी ने चुनाव प्रचार के दौरान कांग्रेस पर संपत्ति छीन बांटने और 'विरासत कर' संबंधी आरोप लगाए हैं और इसी को लेकर उन्होंने प्रधानमंत्री को यह पत्र लिखा है। उन्होंने प्रधानमंत्री को पत्र में लिखा कांग्रेस न्याय पत्र का लक्ष्य युवाओं, महिलाओं, किसानों, मजदूरों और सभी जाति एवं समुदायों के हाशिए पर रहने वाले लोगों को न्याय प्रदान करना है।

पटना में जदयू नेता की गोली मारकर हत्या

सरकार बोली- कड़ी कार्रवाई होगी; आरजेडी ने पूछा अब ये कौन सा राज है

पटना। पटना में बदमाशों ने जदयू नेता सौरभ कुमार (33) की गोली मारकर हत्या कर दी है। सौरभ अपने दोस्त मुनमुन के साथ रात 12 बजे कार से एक शादी के रिसेप्शन से लौट रहे थे। इसी दौरान बाइक सवार 4 बदमाशों ने करीब 5 राउंड फायरिंग की। सौरभ कुमार के सिर में 2 गोली लगी। इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। जबकि उनके दोस्त मुनमुन कुमार को 3 गोलियां लगी हैं। उन्हें गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मामला पुनपुन थाना क्षेत्र के बढ़िया कॉल गांव का है। सौरभ कुमार प्रॉपर्टी डीलिंग का भी काम किया करते थे।

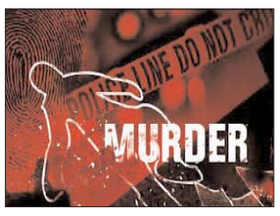

घटना की जानकारी मिलते ही पाटलिपुत्र सीट से आरजेडी प्रत्याशी और लालू यादव की बड़ी बेटी मीसा भारती ने सौरभ कुमार के परिवार से मुलाकात की। इधर, सरकार ने कहा है कि दोषियों पर कड़ी कार्रवाई होगी। आरजेडी का कहना है कि सरकार में भी लोग सुरक्षित नहीं हैं। ये कौन सा राज है।

गुस्साए लोगों ने किया जाम

हत्या के बाद पूरे गांव में सनसनी का माहौल बन गया। आसपास के लोग सड़क पर उतर आए। लोगों ने पुनपुन पटना मार्ग पर जमकर प्रदर्शन शुरू कर दिया। सभी अपराधियों की गिरफ्तारी की मांग करने लगे।

हत्या और लोगों के प्रदर्शन की सूचना मिलते ही सिटी एसपी पूर्वी भारत सोनी सहित पुलिस के कई अधिकारी मौके पर पहुंचे। लोगों को शांत कराया गया। पुलिस ने मामले की छानबीन शुरू कर दी है।

व्हाट्सएप पर मिलेगी उच्चतम न्यायालय की 'वाद-सूची'

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय में सुनवाई के लिए सूचीबद्ध मामलों समेत कई अन्य जरूरी जानकारियां अब व्हाट्सएप पर भी उपलब्ध कराई जाएगी। मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ ने गुरुवार को इस बारे घोषणा करते हुए कहा, इस छोटी सी पहल का बहुत बड़ा प्रभाव पड़ेगा। उन्होंने कहा, 75वें वर्ष में सर्वोच्च न्यायालय ने न्याय तक पहुंच को आसान करने के लिए एक और पहल शुरू की है। इससे देश के दूरदराज के इलाकों के लोग भी नागरिक मुद्दों से जुड़े मामलों की जानकारियां आसान तरीके उपलब्ध हो सकती हैं। उन्होने कहा कि हम अपनी सभी सेवाओं को मेघराज क्लाउड 2.0 में स्थानांतरित कर रहे हैं (यह एनआईसी द्वारा बनाया गया क्लाउड इन्फ्रास्ट्रक्चर है। अब सभी अदालतें ऑनलाइन हो सकती हैं। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने भी जरूरी जानकारियां व्हाट्सएप के जरिए उपलब्ध कराने की शीर्ष अदालत की इस कोशिश को एक और क्रांतिकारी पहल बताया।

विभिन्न क्षेत्रों में महंगाई बढ़ने की आशंका

हमारे कृषि क्षेत्र का बड़ा हिस्सा आज भी मानसून पर निर्भर है। बहुत सारे इलाकों में सिंचाई के संसाधन उपलब्ध नहीं हैं। जिस वर्ष उन इलाकों में बारिश कम होती है या नहीं होती, उस वर्ष वहां उत्पादन खासा नीचे चला जाता है।

जलवायु परिवर्तन का असर अब दुनिया भर की अर्थव्यवस्थाओं पर नजर आने लगा है।

खासकर कृषि क्षेत्र इससे बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। मौसम का मिजाज बदलने से फसलें चौपट हो रही हैं, जिसका सीधा असर खाद्यान्न की कीमतों पर पड़ रहा है। अब भारतीय रिजर्व बैंक ने भी माना है कि प्रतिकूल मौसम की वजह से महंगाई बढ़ सकती है।

यह निस्संदेह रिजर्व बैंक के लिए भी बड़ी चिंता का विषय है। वह महंगाई को चार फीसद के नीचे रखना चाहता है। इसलिए मार्च में जब खुदरा महंगाई 4.9 फीसद दर्ज हुई तो कुछ उत्साह देखा गया था। तब रिजर्व बैंक ने दावा किया था कि वह जल्दी ही महंगाई पर काबू पा लेगा। मगर अब मौसम का रुख देखते हुए उसे लगने लगा है कि यह काम आसान नहीं होगा।

अभी जब गेहूं की फसल कट कर खलिहान में पहुंची है, तो देश के अनेक इलाकों में मूसलाधार बारिश ने उसे भिगो दिया। बहुत सारा अनाज गोदाम में पहुंचने से पहले ही भीग गया।

इस तरह बहुत सारा अनाज सड़ कर बर्बाद हो जाएगा। यह अब जैसे हर वर्ष का सिलसिला हो गया है। बेमौसम बारिश हजारों टन अनाज बर्बाद कर डालती है।

खुदरा महंगाई में सबसे अधिक चिंता खाने-पीने की वस्तुओं की कीमतों को लेकर है। रोजमर्रा इस्तेमाल होने वाले अनाज और सब्जियों की कीमतें सामान्य आयवर्ग की पहुंच से दूर होती जा रही हैं। इसकी एक वजह ईंधन की कीमतों में बढ़ोतरी भी है, जिससे ढुलाई पर खर्च बढ़ गया है। अभी जिस तरह की वैश्विक स्थितियां हैं उसमें आपूर्ति श्रृंखला गड़बड़ होने से कच्चे तेल की कीमतें अनिश्चित बनी हुई हैं।

इससे भी रिजर्व बैंक की महंगाई को लेकर चिंता बनी हुई है। पहले रूस-यूक्रेन संघर्ष के चलते दुनिया भर में मुश्किलें पैदा हुई थीं, अब इजराइल-फिलिस्तीन संघर्ष में ईरान के कूद पड़ने और उस पर अमेरिका की सख्त व्यापारिक पाबंदियों से संकट और गहरा हो गया है। भारत चूंकि कच्चे तेल के लिए दूसरे देशों पर निर्भर है, ऐसी स्थिति में उसे तेल की कीमतें नीचे ला पाना कठिन होगा।

मगर मौसम की मार से पार पाने का कोई रास्ता किसी के पास नजर नहीं आता। सर्दी, गर्मी, बरसात की अवधि असंतुलित हो गई है। एक ही वक्त में कहीं तेज बारिश और बाढ़ की वजह से फसलें चौपट हो जाती हैं, तो कहीं सूखे की वजह से। सर्दी की अवधि सिकुड़ने के चलते खासकर गेहूं की फसल पर बुरा असर पड़ रहा है। गर्मी का मौसम जल्दी शुरू हो जाने से गेहूं का उत्पादन कम हो रहा है।

हमारे कृषि क्षेत्र का बड़ा हिस्सा आज भी मानसून पर निर्भर है। बहुत सारे इलाकों में सिंचाई के संसाधन उपलब्ध नहीं हैं। जिस वर्ष उन इलाकों में बारिश कम होती है या नहीं होती, उस वर्ष वहां उत्पादन खासा नीचे चला जाता है। अभी तक का आकलन है कि मौसम का मिजाज गड़बड़ होने से सकल घरेलू उत्पाद में करीब डेढ़ फीसद तक का नुकसान उठाना पड़ रहा है। जैसी कि जलवायु परिवर्तन की वजह से विभिन्न क्षेत्रों पर बुरा असर पड़ने की आशंकाएं जताई जा रही हैं, कृषि क्षेत्र उनमें सबसे अधिक प्रभावित होगा। ऐसे में महंगाई पर काबू पाना रिजर्व बैंक के लिए आसान नहीं होगा। बेरोजगारी बढ़ने और प्रतिव्यक्ति आय कम होने से महंगाई की मार ज्यादा गहरी पड़ रही है।

विरासत टैक्स एवं निजी सम्पत्ति सर्वे पर संकट में घिरी कांग्रेस

- ललित गर्ग -

लोकसभा चुनाव में कांग्रेस जनता के बीच जिस तरह के मुद्दों को लेकर चर्चा में हैं, उनमें देश विकास से अधिक मुक्त की रेवड़िया बांटने या अतिश्योक्तिपूर्ण सुविधा देने की बातें हैं तो 'विरासत टैक्स' के नाम पर जनता की गाढ़ी कमाई को हड़पने के सुझाव है। ऐसी विरोधीभासी सोच एवं योजनाएं कांग्रेस की अपरिपक्व एवं स्वार्थप्रेरित राजनीति को ही उजागर करती है। इंडिया ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष एवं राहुल गांधी के विश्वस्त सलाहकार सैम पित्रोदा ने चुनावी समर में अपने ताजा बयान में विरासत टैक्स की वकालत की है। उन्होंने अमेरिका में लागू इस टैक्स की पैरवी करते हुए भारत के लिये उपयोगी बताया। सैम ने अपने बयान पर विवाद बढ़ता देख सफाई दी है, तो कांग्रेस ने इस बयान से खुद को अलग कर लिया है। लेकिन राजनीति की इन कुचालों एवं ऐसे बयानों में कांग्रेस का इरादा जनता की मेहनत की कमाई की संगठित लूट और वैध लूट ही नजर आता है। सैम पित्रोदा के बयान में कांग्रेस की सोच एवं संकल्प ही नहीं दिखा बल्कि कांग्रेस की भावी योजनाओं की परतें भी खुली है। भले ही इस बयान ने कांग्रेस के लिए मुश्किलें बढ़ा दी हो, लेकिन जनता को मूर्ख समझ हर बार हंगामा खड़ा करना कांग्रेस की नीति एवं नियत रही है। सैम ऐसे ही विवादास्पद बयानों से पूर्व में भी चर्चा में रहे हैं।

अमेरिका में विरासत टैक्स जैसी अनेक स्थितियां एवं कानून हैं जो भारत में नहीं है क्योंकि हर देश की अपनी स्थितियां होती है। सैम के इस बयान ने इसलिए तूल पकड़ लिया, क्योंकि कांग्रेस ने अपने घोषणा पत्र में लोगों की संपत्ति के सर्वे का वादा किया है। इसकी व्याख्या भाजपा पहले से ही इस रूप में कर रही है कि कांग्रेस लोगों की संपत्ति का आकलन करके संपन्न-सक्षम लोगों की संपदा का एक हिस्सा लेने का इरादा रखती है। चूंकि सैम पित्रोदा का कथन कुछ इसी ओर संकेत करता दिख रहा था, इसलिए भाजपा ने नए सिरे से उनके बयान को मुद्दा बना दिया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने तो कहा जब तक आप जीवित रहेंगे, तब तक कांग्रेस आपको ज्यादा टैक्स से मारेगी और जब जीवित नहीं रहेंगे, तब आप पर विरासत का बोझ लाद देगी।' कांग्रेस की लूट जिन्दगी के साथ भी और जिन्दगी के बाद भी कह कर मोदी ने कांग्रेस को निशाने पर लिया है। गृह मंत्री अमित शाह ने भी यह कह दिया कि यदि कांग्रेस वैसा कुछ करने का नहीं सोच रही है, जैसा सैम पित्रोदा कह रहे हैं तो वह अपने घोषणा पत्र से संपत्ति के सर्वेक्षण वाली बात हटाए।' निश्चित ही कांग्रेस की संपत्ति के सर्वेक्षण की बात में गहरे अर्थ, संदेह एवं शंकाएं निहित हैं। राजननेताओं के बयानों पर राजनीति होना लोकतंत्र का एक हिस्सा है, लेकिन जनता के हितों पर आघात करना दुर्भाग्यपूर्ण है। लोकतन्त्र में सतत् रूप से अमीर-गरीब का विमर्श चलता रहता है, गरीबों के हित की बात करके अधिसंख्य मतदाताओं को लुभाना राजनीतिक चतुराई है, लेकिन जनता को बांटना एवं अलग-अलग खेमों में खड़ा करना, लोकतंत्र को कमजोर करता है। मगर भारत का मतदाता अब इतना सुविज्ञ एवं समझदार हैं कि वे राजनेताओं की मंशा को समझकर उस समय आगे बढ़कर नेतृत्व खुद संभाल लेते हैं जब नेतागण अपना पथ भूल जाते हैं। भारत के चुनावों का इतिहास इसका गवाह रहा है।

इसलिए राजनैतिक विमर्श चाहे जितना गर्त में चला जाये मगर मतदाता की सूझबूझ, जागरूकता एवं विवेक कभी मंद नहीं पड़ती।

भले ही सैम पित्रोदा अमेरिका का उदाहरण देकर उस पर भारत में बहस की जरूरत जता रहे थे, लेकिन उन्हें गलत समय ऐसा उदाहरण नहीं देना चाहिए था, जो तथ्यात्मक रूप से पूरी तरह भारत की परिस्थितियों के लिये सही न हो और जिसके विवाद का विषय बनने की भरी-पूरी संभावनाएं हो। यह तो कांग्रेस ही जाने कि वह संपत्ति के सर्वे के जरिये क्या हासिल करना चाहती है, लेकिन इससे इन्कार नहीं कि देश में आर्थिक असमानता कम करने की आवश्यकता है। इसके बाद भी इस आवश्यकता की पूर्ति न तो वामपंथी सोच वाले तौर-तरीकों से की जा सकती है और न ही उन उपायों से, जो समाज में विभाजन पैदा करें। जो भी निर्धन-वंचित हैं या सामाजिक-आर्थिक रूप से पिछड़े हैं, उनके उत्थान की अतिरिक्त चिंता की जानी चाहिए, लेकिन बिना उनका जाति, मजहब देखे, बिना विभाजन की राजनीति को किये।

सैम पित्रोदा, राजनीति की दुनिया में यह नाम कोई नया नहीं है, कांग्रेस के शासन में तकनीकी एवं आधुनिक विकास के वे पुरोध रहे हैं। इंदिरा गांधी, राजीव गांधी और मनमोहन सिंह के सलाहकार रह चुके पित्रोदा इस समय राहुल के खास लोगों में से एक हैं। पित्रोदा अपने काम से कम अपने बयानों के चलते ज्यादा चर्चे में रहते हैं। उनके बयान अक्सर कांग्रेस के लिए भी सरदर्द बनते रहे हैं। पित्रोदा के अनेक बयान पहले भी विवाद एवं कांग्रेस के सिरदर्द की वजह बन चुके हैं। साल 2019 में ही उन्होंने एक टीवी इंटरव्यू में कहा कि मिडिल क्लास को स्वार्थी नहीं होना चाहिए।

उन्हें अधिक से अधिक टैक्स देने के लिए तैयार रहना चाहिए। मध्यमवर्गीय परिवार को रोजगार और अधिक अवसर मिलेंगे। इस बयान ने भी कांग्रेस की मुश्किलें बढ़ाई थीं और पार्टी को डैमेज कंट्रोल करना पड़ा था। पित्रोदा यहीं नहीं रुके, उन्होंने 2019 के ही पुलवामा हमले पर कहा था कि ऐसे हमले तो होते रहते हैं, मुंबई में भी हमला हुआ था। निश्चित ही कांग्रेस के शासन में ऐसे हमले एवं साम्प्रदायिक दंगे होते ही रहते थे। उन्होंने बालाकोट एयरस्ट्राइक ऑपरेशन पर सबूत मांगे थे।

सैम पित्रोदा के बयान एवं कांग्रेस के घोषणा पत्र के निजी सम्पत्ति सर्वे की बात में अवश्य ही रिश्ता है, जिसने पूरे देश के सामने कांग्रेस का मकसद स्पष्ट कर दिया है कि निजी संपत्ति का सर्वे कर निजी संपत्ति को सरकारी खजाने में डालकर वह इस धन को अपने वोट बैंक में बांटना चाहती है।

ऐसी योजना यूपीए सरकार में तय भी हुई थी कि देश के संसाधनों पर पहला अधिकार अल्पसंख्यक और उसमें भी सबसे अधिक मुस्लिमों का है, उस प्रकार से कांग्रेस की यह मुसलमानों को लुभाने एवं उन्हें लाभ पहुंचाने की अघोषित चुनावी घोषणा है, इस तरह की घोषणाएं लोकतंत्र में सुशासन एवं राजनीति मूल्यों को धुंधलाने की कुचेष्टा ही कही जायेगी। लोकतांत्रिक व्यवस्था में नेता बादशाह नहीं होता बल्कि साधारण मतदाता बादशाह होता है क्योंकि उसके ही एक वोट से सरकारें बनती और बिगड़ती हैं। मतदाता को जो मूर्ख समझते हैं उनसे बड़ा मूर्ख दूसरा नहीं होता। ऐसे तथाकथित बयानों से भारत में संसदीय प्रणाली का लोकतंत्र कभी भी प्रभावित नहीं होगा, वह सफल रहा है और रहेगा क्योंकि भारत के लोग अनपढ़ व गरीब हो सकते हैं मगर वे अज्ञानी या मूर्ख नहीं है। उनका व्यावहारिक ज्ञान बहुत मजबूत होता है और वे राजनीतिक दलों के भ्रम में नहीं आने वाले, गुमराह नहीं होने वाले।

यह सच है कि जब से भारत में जातिवादी, क्षेत्रवादी, भाषावादी, वर्गवादी व सम्प्रदायवादी राजनीति का बोलबाला हुआ है तभी से राजनीति के विमर्श में गिरावट आनी शुरू हुई है, लेकिन इस गिरावट को संभालने के लिये मतदाता को अधिक परिवक्व एवं समझदार होने की अपेक्षा है।

टाईम पास

रिसाइकिलिंग को लेकर जागरूक हाने की जरुरत

दिल्ली में गाजीपुर लैंडफिल स्थित कचरे के पहाड़ पर लगी आग फिलहाल बुझा दी गयी है। लेकिन अभी भी 40-50 छोटी-मोटी जगहों पर आग की लपटें बची हुई हैं। इसके धुएं से आसपास के हसनपुर, गाजीपुर, खोड़ा, चिल्ला गांव और मयूर विहार जैसे इलाकों में रहने वाले लोग आंखों में जलन व सांस लेने में दिक्कत महसूस कर रहे हैं। वहीं इस कचरे की दुर्गंध तो बरसों से उनकी नियति बन चुकी है। जो लोग दिल के मरीज हैं, परेशानी के चलते घर छोड़कर रिश्तेदारों के यहां चले गये हैं।

आजकल चुनावी माहौल में राजधानी दिल्ली वायु प्रदूषण की मार सह रही है वहीं कूड़े के पहाड़ का मसला चर्चा का विषय बना हुआ है। अभी तक आग के कारणों का पता नहीं चल सका है। पुलिस और एफएसएल की टीमें जांच कार्य में जुटी हैं। वहीं लैंडफिल साइट के प्रबंधन को लेकर दिल्ली नगर निगम की नीति पर लोगों ने सवाल जरूर खड़े किये हैं। उनका कहना है कि कचरे के पहाड़ पर आग हर महीने लगती रहती है लेकिन इसको नियंत्रित करने के कोई भी पुख्ता कदम नहीं उठाये जा रहे हैं। हालांकि बीस सालों से कूड़े का पहाड़ खत्म करने के दावे किये जा रहे हैं लेकिन मसला जस का तस है। खमियाजा यहां रहने वाले लोगों को उठाना पड़ रहा है। इसका खातमा न हो पाने के पीछे कचरे का धीमी गति से उठान है।

कूड़े के पहाड़ के मामले में अभी तक दिल्ली और मुंबई महानगर सबसे ज्यादा चर्चित थे लेकिन अब गुरुग्राम ने भी इस सूची में नाम दर्ज करा लिया है। यहां बंधवाड़ी लैंडफिल साइट पर रोजाना फरीदाबाद और गुरुग्राम का 2300 टन कचरा पहुंच रहा है जहां तकरीबन 16 लाख टन कूड़ा पड़ा है। बीते 24 दिनों में यहां 13 बार आग लगने की घटनाएं हुईं। गत 23 अप्रैल की सुबह जो आग लगी उसके कई किलोमीटर तक फैले धुएं के चलते लोग आंखों में जलन से परेशान थे। लैंडफिल साइट के आसपास लोगों का रहना मुश्किल होता जा रहा है। यहां रहने वाले लोग बरसों से दिल, सांस, गले में खराश, दिमाग में सूजन आदि रोगों से परेशान हैं। खासतौर पर बच्चों, गर्भवती महिलाओं, हृदय और सांस के रोगियों के लिए यह स्थिति जानलेवा है। कचरे के पहाड़ पर लगी आग से वातावरण में घुल रहे धुएं पर उपराज्यपाल, दिल्ली के पर्यावरण मंत्री और सुप्रीम कोर्ट तक ने संज्ञान लिया। निगमायुक्त, प्रमुख सचिव व दिल्ली सरकार से जबाव मांगा गया है। सुप्रीम कोर्ट ने इस बाबत अपनी टिप्पणी में कहा कि यह आश्चर्यजनक है कि राजधानी में प्रतिदिन निकलने वाले 11,000 टन ठोस कचरे में से 3,000 टन का कानून के तहत उचित तरीके से निपटान नहीं किया जाता है। खंडपीठ ने इसे स्तब्ध करने वाली बात कहा है कि ठोस कचरा प्रबंधन नियम 2016 को लागू हुए आठ साल हो गये हैं लेकिन दिल्ली में इसका कोई पालन नहीं हो रहा है। यदि पूरे देश के हालात का जायजा लें तो देश में हर साल 277 अरब किलो कचरा निकलता है। इसमें से केवल 70 फीसदी ही इकट्ठा किया जाता है। बाकी जमीन और पानी में फैला रहता है। इकट्ठा किये कचरे में से आधा या तो खुले में फेंक दिया जाता है या उसे जमीन में दबा दिया जाता है। देश में निकलने वाला कचरा इंडस्ट्रियल और म्युनिसिपल दो तरह का होता है। इंडस्ट्रियल कचरे के निपटान की जिम्मेदारी उद्योगों और म्युनिसिपल कचरे के निपटान की जिम्मेदारी स्थानीय प्रशासन की होती है। देश में कुल कचरे में से सिर्फ 5वें हिस्से की रिसाइकिलिंग हो पाती है। जिस तरह कचरे की रिसाइकिलिंग होती है उससे न केवल पर्यावरण को नुकसान होता है बल्कि लोगों के स्वास्थ्य पर भी बुरा प्रभाव पड़ता है। भारत में सबसे बड़े महानगर मुंबई और दिल्ली में खुले में कचरा फेंका जाता है। खुले में फेंके कचरे में भारी मात्रा में निकल, जिंक, आर्सेनिक, कांच, क्रोमियम और दूसरी जहरीली धातुएं होती हैं। देश में सालाना जितनी जहरीली मिथेन उत्सर्जित होती है, उसमें से 20 फीसदी सिर्फ इन कचरे के ढेरों से निकलती हैं।

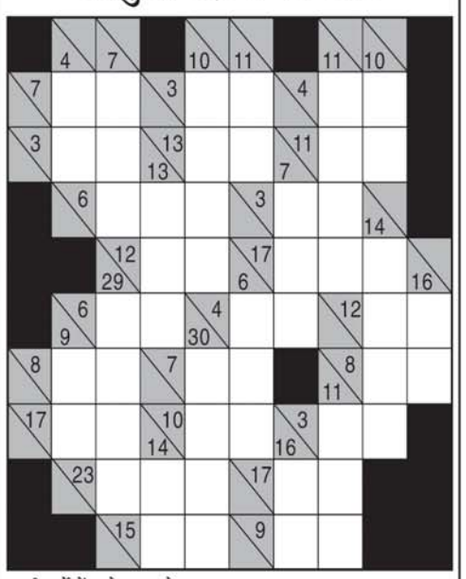

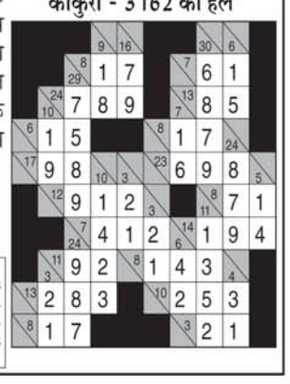

काकुरो पहेली - 3163

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए, किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

काकुरो - 3162 का हल

हंसी के फूव्वारें

एक सज्जन ने अपने मित्र को बतलाया, 'यह सोने का कप मैंने दौड़ में फर्स्ट आने के कारण प्राप्त किया है.'

'बहुत खूब, तुम्हारे पीछे कितने लोग थे?' मित्र ने पूछा.

'तीन.....एक कप का मालिक और दो सिपाही.' उन सज्जन ने उत्तर दिया.

□ □ □

एक पोस्टमैन रिटायर हुआ तो उसकी विदाई के मौके पर सबने उससे खास अनुभव के बारे में पूछा. उसने झिझकते हुए कहा-कृपा करके मेरी पेंशन डाक से न भेजे.

□ □ □

दो लड़के जूस पी रहे थे. एक लड़के की उदास शक्ल देखकर दूसरे ने इसका कारण पूछा तो पहले लड़के ने जवाब दिया, 'मैं इसलिए उदास हूं कि मेरा आधा गिलास खाली हो चुका है, मगर तुम क्यों खुश हो?'

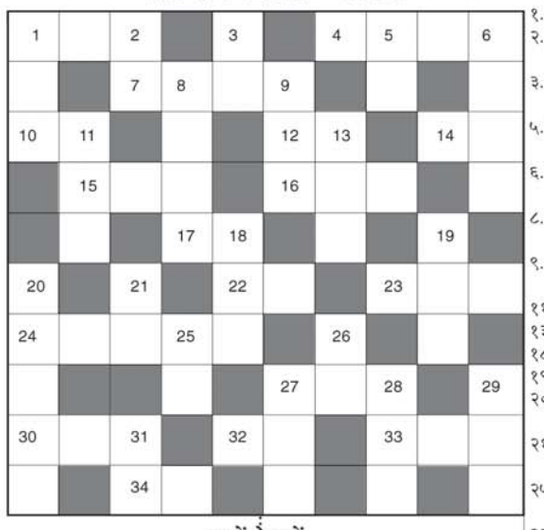

दूसरा चहककर बोला- 'इसलिए कि मेरा आधा गिलास अभी तक भरा हुआ है.'

□ □ □

मियाँ ने बीवी को एक पत्रिका में प्रकाशित चित्र सहित दिखाते हुए कहा, 'यह पूरा परिवार कांच खानेवाला है.'

'तुमसे तो ठीक है.' बीवी बोली, 'तुम तो दिन भर दिमाग चाटते रहते हो.'

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली - 3163

बायें से दायें:-

१. 'तू सामने जब आता' गीत वाली शाहरूख, माधुरी की फिल्म-३
४. शाहरूख, ट्विंकल की 'आशिक हूँ मैं कातिल भी' गीतवाली फिल्म-४
७. 'आके चली बांके चली' गीत वाली संजीव कुमार, शर्मिला टैगोर, शबाना आजमी की फिल्म-४
१०. 'दिल चीज क्या है' गीत वाली 'उमराव जान' की नायिका-२
१२. राजेंद्र कुमार, माला की 'जिसके सपने हमें' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'मैं तुझ से मिलने आई' गीत वाली सुनीलदत्त, आशा की फिल्म-२
१५. अक्षयकुमार, रवीना की 'टिप टिप बरसा पानी' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'संभाला है मैं ने' गीत वाली मिथुन, अतुल, पूजा भट्ट की फिल्म-३
१७. जैकी, रति अग्निहोत्री की 'छोड़ो मुझे छोड़ों' गीत वाली फिल्म-२
२२. फिल्म 'हुतूतू' में सुनील शेट्टी के साथ नायिका कौन थी?-२
२३. 'ये रेशमी जुल्फे' गीत वाली राजेश, मुमताज की फिल्म-१,२
२४. मिथुन, चंकी, रितुपर्णा, सोमी अली की १९९४ की एक फिल्म-३,२
२७. 'बनाके क्यूँ बिगाड़ा रे' गीत वाली अमिताभ, जया की फिल्म-३
३०. जीतेंद्र, रामेश्वरी की 'काहे बिंदिया लगाई' गीतवाली फिल्म-३
३२. 'एक लड़की जिसके होठों' गीत वाली संजय, जैकी, शिल्पा की फिल्म-२
३३. सनी, संजय, रवीना, दिव्या की 'दिल ना किसी का' गीत वाली फिल्म-३
३४. 'तू प्यार का सागर है तेरी इक बूंद के प्यासे हम' गीत वाली बलराज साहनी, नूतन की फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. 'तन्हा तन्हा दिल' गीत वाली फिल्म-३
२. 'कहना है तुमसे कहना' गीत वाली आमिर, मनीषा की फिल्म-२
३. फिल्म 'मिलन' में मनीषा कोईराला के साथ नायक का नाम-२
५. 'दिल ही दिल में' गीत वाली विवेक ओबेराय, दिया की फिल्म-२
६. बॉबी, अक्षय, अमीषा की 'दिल ने कर लिया' गीत वाली फिल्म-४
८. 'ठहरो तो सही सोचो तो' गीत वाली गोविंदा, मनीषा की फिल्म-४
९. ऋषि, श्रीदेवी की 'भूली बिलरी प्रेम कहानी' गीत वाली फिल्म-३
११. राजेश खन्ना, धर्मेंद्र, वहीदा की फिल्म-३
१३. 'हसीना गोरी गोरी' गीत वाली फिल्म-३
१८. फिल्म 'खानदान' की नायिका कौन थी-३
१९. 'मैं प्यासा तुम सावन' गीतवाली फिल्म-३
२०. 'हम साथ साथ हैं' में सोनाली के पिता की भूमिका किसने की थी?-३,२
२१. 'इन आँखों को आशिक' गीत वाली राजेश, सुलक्षण की फिल्म-२
२५. मनोज वाजपेयी, उर्मिला की एक सस्पेंस फिल्म-२
२६. 'धीरे धीरे आप मेरे' गीत वाली फिल्म-२
२७. फरदीन, उर्मिला की फिल्म-३
२८. 'गोरी जो मटके' गीत वाली फिल्म-३
२९. सनी, मीनाक्षी की 'सोचना क्या जो भी होगा' गीत वाली फिल्म-३
३१. संजीवकुमार, रेखा, मौसमी चटर्जी की १९८१ की एक फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली - 3162

सूडोकु -3163

6	9			7	4		8	
	8	5	6	2			4	9
7								3
	3	9	5				1	
1				8				5
	6				2	9	3	
4		7						2
8	2			5	9	1	7	
	1		2	3			5	8

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3162 का हल

6	5	3	9	1	7	2	8	4
9	1	8	2	6	4	3	7	5
7	4	2	5	3	8	1	9	6
3	7	1	6	9	2	4	5	8
8	6	9	1	4	5	7	2	3
5	2	4	8	7	3	9	6	1
2	9	5	4	8	1	6	3	7
4	3	6	7	5	9	8	1	2
1	8	7	3	2	6	5	4	9

शब्द पहेली - 3163

बाएँ से दाएँ

1.मरघट,कब्रिस्तान-4
3.पागल,बुद्धिहीन-4
8.भगवान,ईश्वर,खुदा-7
10.डांटना,दुत्कार-3
11.तरुण,किशोर-3
13.ओट,घूँघट-3
15.तपस्या-2
17.पराया,अजनबी-2
18.आनंद,मौज-2
19.सूर्य,भास्कर-2
21.चिंतन,सोच विचार-3
25.वेणी,फूलों की माला जो बालों में लगाते हैं-3
26.वैद्य-3
27.आभास करना-4,3
30.शिव के इस मंदिर को महमूद गजनवी ने कई बार लूटा था-2,2
31.युद्धघोष,आक्रमण, हमला-4

ऊपर से नीचे

2.कवि,गजलकार-3
4.भारत का झंडा-3
5.ईश्वर,भगवान-4
6.गुरुवार-4
7.दुर्ज,पापी,भूत-3
8.शरण,आश्रय-3
9.चांदी-3
12.उत्तराधिकारी-3
13.उत्कृष्ट,प्रधान-3
14.आंचल-3
16.कमल-3
20.रुकना,अंत, ठहराव-3
22.उत्तमता, खूबी (उर्दू-4)
23.बर्दाश्त करना, निभाना-3
24.आय, कमाई-4
25.उष्ण-3
28.पराजित करना-3
29.उपपत्नी,दूसरी पत्नी-3

शब्द पहेली -3162 का हल

गौतमबुद्ध नगर में मतदान आज

आज 7 बजे से 1826 बूथों पर होगी वोटिंग, 26.75 लाख वोटर करेंगे मतदान

नोएडा। गौतमबुद्ध नगर में आज मतदान होना है। इसके लिए फूल मंडी से पोलिंग पार्टियां रवाना होने की शुरुआत हो चुकी है। चुनाव में 10 हजार पुलिसकर्मी और जवान मतदान केंद्रों की सुरक्षा संभालेंगे। सुरक्षा के लिहाज से जिले को सात सुपरजोन और 120 सेक्टर में बांटा गया है। 26.75 लाख मतदाता प्रत्याशियों की किस्मत का फैसला करेंगे। इसमें सबसे ज्यादा मतदाता नोएडा विधानसभा क्षेत्र के हैं।

गौतमबुद्ध नगर लोकसभा सीट पर करीब एक माह से चल रहा चुनाव प्रचार बुधवार को शाम पांच बजे थम गया। चुनाव के लिए अधिग्रहीत किए गए 800 वाहनों में 1826 पार्टियां रवाना होंगी। शांतिपूर्ण चुनाव को लेकर प्रशासन की सभी तैयारियां पूरी हो चुकी है। जिले में दूसरे चरण के तहत 26 अप्रैल को 641 मतदान केंद्र व

1826 मत देय स्थलों पर मतदान होगा।

800 निजी और व्यवसायिक गाड़ियां लगाई गईं

फेस-2 फूल मंडी से सुबह करीब 10 बजे से पोलिंग पार्टियां रवाना होना शुरू हो गई है। प्रशासन ने पोलिंग पार्टियों के लिए 800 निजी और व्यवसायिक वाहनों का अधिग्रहण किया है। इनमें 500 बसें हैं, जबकि 300 के करीब छोटे वाहन हैं। उप निर्वाचन अधिकारी और एडीएम वित्त एवं राजस्व अतुल कुमार ने बताया कि आरक्षित मशीनें पोलिंग पार्टियों से बचने के बाद वापस आ जाएंगी, जिन्हें पोलिंग के दिन केंद्रों पर भेजा जाएगा।

चुनाव कराने के लिए जिले को 26 जोन में बांटा गया है। मतदान के दिन मतदान केंद्रों के अंदर मोबाइल फोन, स्मार्ट फोन, वायरलेस सेट आदि ले जाने पर रोक लगा दी गई है, जबकि पीठासीन अधिकारी अपने फोन साइलेंट मोड पर रखेंगे। पीठासीन अधिकारी और मतदान कर्मियों को प्रशिक्षण दिया जा चुका है। प्रचार की समाप्ति के बाद सभी सहायक रिटर्निंग ऑफिसर यह सुनिश्चित करने में जुट गए हैं कि सभी बाहरी राजनैतिक पदाधिकारी और कार्यकर्ता इस दौरान निर्वाचन क्षेत्र छोड़ दें।

इससे पहले जिला निर्वाचन अधिकारी मनीष वर्मा ने बताया कि सभी मतदान कर्मी सुबह 5: 00 बजे फूल मंडी फेस-2 पहुंच गए थे। यहां से नोएडा, दादरी और जेवर विधानसभाओं के स्ट्रॉन्ग रूम सुबह 6 बजे खोले गए। अब पोलिंग पार्टियां चुनाव से संबंधित सामग्री लेकर स्टेशन की ओर रवाना हो रही है।

रवि काना को भारत लाने के लिए पुलिस ने इंटरपोल से किया संपर्क

एजेंसी

ग्रेटर नोएडा। स्क्रैप माफिया रवि काना को थाईलैंड से भारत लाने के लिए गौतमबुद्ध नगर पुलिस ने इंटरपोल से संपर्क साधना शुरू कर दिया है। रवि काना को कहां से गिरफ्तार किया है और कहां रखा गया है, इन सभी के बारे में इंटरपोल अधिकारियों को ई-मेल के माध्यम से जानकारी मांगी गई है। पुलिस विभाग के एक अधिकारी का कहना है कि रवि काना को भारत लाने के लिए करीब एक माह का समय लगेगा। अब तक इंटरपोल की ओर से औपचारिक रूप से कोई सूचना नहीं दी है। स्क्रैप माफिया पर दिसंबर 2023 में नोएडा सेक्टर-39 कोतवाली में युवती ने सामूहिक दुष्कर्म करने का आरोप लगाते हुए रिपोर्ट दर्ज कराई थी। इसके बाद जनवरी-2024 में उसके समेत गैंग के 16 लोगों पर बीटा-दो पुलिस ने गैंगस्टर एक्ट में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। इसके बाद रवि काना नेपाल के रास्ते से सहकर्मी काजल झा के साथ थाईलैंड भाग गया था। वहां पर उसकी पत्नी मधु भी गई थी, लेकिन लौटने पर उसे दिल्ली एयरपोर्ट पर गिरफ्तार कर लिया। उससे पूछताछ करने के बाद कई अहम तथ्य पुलिस को मिले थे और फिर इंटरपोल, सीबीआई और इमीग्रेशन को रवि काना की प्रत्येक सूचना पुलिस ने दे दी थी। बीच कई बार लगातार इन सभी एजेंसियों से पुलिस का संपर्क होता रहा है। मगर चुनाव के दौरान व्यस्त होने के कारण पुलिस ने एजेंसियों से संपर्क नहीं हो सका। मगर अब रवि काना और उसकी पार्टर काजल झा की गिरफ्तारी की सूचना के बाद कमिश्नरेट पुलिस ने अंटरपोल से संपर्क साधने के लिए ई-मेल के माध्यम से कुछ सूचनाएं साझा करने की अपील की है।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, रवि काना को लेकर काफी सूचनाएं उनके पास थी, लेकिन उसकी पत्नी मधु के गिरफ्तार होने के बाद कई अहम जानकारी उनको मिली थी।

मतदान से एक दिन पहले पकड़ा 3.75 लाख कैश

नोएडा। मतदान के ठीक एक दिन पहले तक नोएडा में कैश पकड़ा जा रहा है। गुरुवार को थाना सेक्टर 20 पुलिस एवं एफएसटी टीम द्वारा बीएसएनएल पर चेकिंग की जा रही थी। इस दौरान एक टोयटा ग्लैंजा को रोका गया। चेकिंग के दौरान बैग में 3 लाख 75 हजार 500 रुपए कैश मिले। नोट 500-500 रुपए के थे।

कैश के बारे में साक्ष्य और दस्तावेज मांगने पर चालक रिपुदमन तख्तर कुछ भी प्रस्तुत नहीं कर सके। रिपुदमन नोएडा के सेक्टर-19 के निवासी है। कैश को जब्त कर इनकम टैक्स डिपार्टमेंट को जानकारी दे दी गई है। आचार संहिता के बाद नोएडा, ग्रेटरनोएडा में चेकिंग के दौरान अब तक करीब 1 करोड़ रुपए से ज्यादा की रकम पकड़ी जा चुकी है। ये रकम हरियाणा, दिल्ली से होते हुए यूपी में प्रवेश कराई जा रही थी। हालांकि बार्डर पर सघन चेकिंग होने के चलते ये पकड़ा जा रहा है। गौतमबुद्ध नगर में कल मतदान होना है।

इसको लेकर दिल्ली से जुड़ी सीमाओं को भी सील कर दिया गया है। यहां सघन चेकिंग के बाद ही नोएडा में वाहनों को प्रवेश दिया जा रहा है। इसके अलावा प्रमुख रास्ता पर भी टीमें चेकिंग कर रही है।

चुनाव के दौरान मदद करेगा ई-संपर्क नोएडा पुलिस ऐप

बूथ वार संपर्क करने में मिलेगी मदद, बीएलओ से लेकर पार्षद तक के होंगे नंबर

नोएडा। पुलिस कमिश्नर गौतमबुद्धनगर लक्ष्मी सिंह के निर्देश पर लोकसभा चुनाव 2024 को सकुशल संपन्न कराने के लिए कमिश्नरेट पुलिस ने ई-सम्पर्क नोएडा पुलिस ऐप को लॉन्च किया गया है। यह ऐप चुनाव में ड्यूटी पर लगे पुलिस कर्मियों की चुनाव के दौरान मदद करेगा। कमिश्नरेट पुलिस की मीडिया सेल से मिली जानकारी के मुताबिक 26 अप्रैल को गौतमबुद्धनगर में द्वितीय चरण का चुनाव होना है। इस दौरान शांति पूर्ण और सकुशल चुनाव को संपन्न कराने के लिए नोएडा पुलिस की तरफ से ई-सम्पर्क नोएडा पुलिस ऐप

को लॉन्च किया गया है।

यह ऐप चुनाव के दौरान ड्यूटी में लगे पुलिस कर्मियों को पोलिंग बूथ वार सम्पर्क करने में मददगार होगा। मीडिया सेल के मुताबिक ऐप में विधानसभा एवं बूथ वार संभ्रान्त व्यक्तियों के नाम एवं मोबाइल नम्बर खोजने की सुविधा है। जिसमें बीएलओ, ज़ोनल मजिस्ट्रेट, सेक्टर मजिस्ट्रेट पुलिस अधिकारी, चौकी प्रभारी, प्रधान, पार्षद के नाम और नंबर उपलब्ध होगे। इसके साथ ही ऐप में गूगल मैप के जरिए से मतदान केन्द्र तक पहुंचने की सुविधा होगी। पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों के मोबाइल नंबर प्राप्त करने में सुविधा। चुनाव से सम्बन्धित समस्त दस्तावेज प्राप्त करने की सुविधा होगी। ऐप स्टोर पर ई-सम्पर्क नोएडा पुलिस ऐप दिखेगा।

ऐप को खोलने पर बूथ वार सम्पर्क, पुलिस सम्पर्क, प्रशासनिक सम्पर्क व अतिरिक्त दस्तावेज बटन पर क्लिक करें। बूथ वार सम्पर्क बटन पर क्लिक करने के पश्चात अगला पेज खुलेगा। जिसमें जिले का नाम, विधान सभा व बूथ नंबर भरकर व्यू डिटेल्स पर क्लिक करके सारी जानकारी हासिल की जा सकती है।

दृष्टिहीन दंपति से लूटपाट करने वाला ऑटो चालक गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा। सेक्टर ईकोटेक-3 पुलिस ने दो दिन पहले दृष्टिहीन दंपति समेत तीन लोगों के साथ लूटपाट करने वाले आरोपी ऑटो चालक को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के पास से लूटा हुआ मोबाइल, नगदी, राशन का सामान और वारदात में इस्तेमाल ऑटो बरामद हुआ है।कोतवाली प्रभारी धर्मेंद्र कुमार शुक्ल ने बताया कि हबीबपुरा गांव में दृष्टिहीन दिलीप पासवान अपनी पत्नी रेणुका और मित्र राजकुमार के साथ किराये के मकान में रहते हैं। दृष्टिहीन राजकुमार ने पुलिस को बताया कि वह, दिलीप पासवान और रेणुका मंगलवार की सुबह हबीबपुर से दिल्ली की ट्रस्ट में राशन का सामान लेने गए थे। इसके बाद वह वापस लौट रहे थे। बॉटनिकल गार्डन मेट्रो स्टेशन पर मंगलवार शाम उतरकर उन्होंने हबीबपुर के लिए ऑटो बुक किया। हबीबपुर के पास ऑटो चालक उनका एक मोबाइल, कैश और राशन का सामान लूटकर ले गया। इस संबंध में ईकोटेक-3 में थाने में मुकदमा दर्ज कराया गया। पुलिस ने सर्विलांस की मदद से पुलिस चौकी डी पार्क के पास से आरोपी ऑटो चालक मैनपुरी के भोगांव निवासी प्रियांशु राजपूत को गिरफ्तार कर लिया। पकड़ा गया आरोपी वर्तमान में सूरजपुर के तिलपता गांव में किराये के मकान में रहता है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लूटा गया सामान बरामद कर लिया।

बदमाशों ने पहले फ्लैट से चाबी चुराई, फिर पार्किंग से कार ले गए

ग्रेटर नोएडा। ग्रेनो वेस्ट के शाहबेरी स्थित लक्ष्मी रेजिडेंसी सोसाइटी के फ्लैट का ताला तोड़कर बदमाशों ने पहले नगदी, गहने और कार की चाबी चुराई। फिर पार्किंग में खड़ी कार भी ले गए। वारदात के वक्त पीड़ित परिवार शादी समारोह में गया। पीड़ित ने बिसरख कोतवाली में केस दर्ज कराया है।बिसरख के मुताबिक लक्ष्मी रेजिडेंसी सोसाइटी में रहने वाले गौरव अपने परिवार के साथ मिर्जापुर अपने मामा की बेटी की शादी में गए थे। इस बीच बदमाशों ने उनके फ्लैट का ताला तोड़कर नगदी और गहने चोरी कर लिए।

नाले में महिला का शव मिलने से हड़कंप

नोएडा। सेक्टर-8 के पास गुरुवार को नाले में महिला का शव मिलने से हड़कंप मच गया। फेज-1 पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर उसकी शिनाख्त करने की कोशिश शुरू कर दी।

थाना प्रभारी ने बताया कि पीआरवी द्वारा सूचना मिली कि सेक्टर-8 के पास नाले में महिला का शव पड़ा है। शुरुआती जांच में महिला की उम्र करीब 30 वर्ष प्रतीत हो रही है। उसके शरीर पर चोट के निशान नहीं मिले हैं। शव 24 घंटे पुराना लग रहा है। महिला ने साड़ी पहन रखी है, जो काफी पुरानी है। पुलिस ने अंदेशा जाहिर किया है कि महिला रात को नाले के किनारे बैठी थी। इस दौरान नाले में गिरने से उसकी मौत हो गई है। पुलिस की टीम ने लोगों से महिला के बारे में पूछताछ की, लेकिन उसकी पहचान नहीं हो सकी। पुलिस ने महिला के बारे में जानकारी जुटाने के लिए आसपास के जिलों की पुलिस से संपर्क किया है।

बिजली की चिंगारी से लगी भीषण आग

जेवर। दनकौर कोतवाली क्षेत्र के ठसराना गांव के जंगल में बिजली की चिंगारी से गुरुवार को भीषण आग लग गई। जिससे किसानों की गेहूं की फसल जलकर राख हो गई। किसानों का आरोप है कि बिजली विभाग से काफी समय पहले लाइन को बदलने की शिकायत की गई थी। लेकिन कोई ध्यान नहीं दिया गया जिसकी लापरवाही की वजह से यह हादसा हुआ है। किसानों ने फसल के मुआवजे की मांग बिजली विभाग के अधिकारियों से की है। गांव के किसानों की फसल की कटाई पिछले कई दिनों चल रही थी। अचानक गुरुवार की दोपहर खेत के ऊपर से होकर निकल रही। बिजली के लाइन में स्पार्किंग हुई और चिंगारी नीचे गिर गई। जिसके चलते फसल में आग लग गई। कुछ देर में ही करीब 20 बीघा फसल आग की चपेट में आकर जल गई। सूचना के बाद मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। लेकिन तब तक काफी नुकसान हो चुका था। पीड़ित किसान दीपक समेत कई ने बताया कि बिजली विभाग की लापरवाही से यह हादसा हुआ है। कई बार लाइन को बदलवाने की मांग विभाग अधिकारियों से की गई थी। लेकिन ग्रामीणों की शिकायत पर कोई ध्यान नहीं दिया गया। जिसके चलते ही यह आग लगी है। जिससे किसानों की लाखों रुपये की फसल जल गई। पीड़ित किसानों का कहना ही काफी लागत से उन्होंने फसल को पैदा किया था। जो पल भर में ही आग लगने से बर्बाद हो गई। किसानों में बिजली विभाग के प्रति काफी रोष है। जिन्होंने बिजली विभाग के अधिकारियों से गुहार लगाई है।

मतदाताओं को जागरूक करने के लिए संगोष्ठी का आयोजन

50 एनसीसी कैडेट्स ने निकाली जागरूकता रैली, छात्रों को मतदान के लिए दिलाई शपथ

गौतम बुद्ध नगर। ग्रेटर नोएडा के नॉलेज पार्क स्थित शारदा विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण विभाग की तरफ से मतदाताओं को मतदान के लिए जागरूक करने के लिए संगोष्ठी का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के करीब 50 एनसीसी कैडेट्स ने शहर में विभिन्न स्थानों से जागरूकता रैली निकाली और नुक्कड़ नाटक किए।

इस दौरान उन्हें शपथ भी दिलाई गई। संगोष्ठी में 18 वर्ष की आयु पूरा करने वाले युवाओं को उनके मताधिकार के बारे में जानकारी दी। सभी लोग मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए अपने अपने क्षेत्र में ज्यादा से

ज्यादा लोगों को मतदान के प्रति जागरूक करें।

आप का वोट कीमती है

विश्वविद्यालय के वाइस चांसलर डॉ सिबाराम खारा ने कहा कि मतदान करने की जिम्मेदारी हम सब की है। लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए 26 अप्रैल को घर से बाहर मतदान करने के लिए निकलें। उन्होंने छात्रों को कहा कि अपने मतों का प्रयोग जरूर करें। आप का वोट कीमती है। काम जरूर रोक दें, लेकिन मतदान ना रोके।

विश्वविद्यालय के डायरेक्टर पीआर डॉ अजीत कुमार ने कहा कि 18 वर्ष की उम्र होते ही मताधिकार प्राप्त हो जाता है, लेकिन कई मतदाता वोट डालने के लिए घर से ही नहीं निकलते। मताधिकार का प्रयोग करके हम देश और प्रदेश के लिए अच्छे प्रतिनिधि का चुनाव कर सकते हैं।

ऐसे में अपने मताधिकार का उपयोग जरूर करें। इस दौरान छात्र कल्याण विभाग डीन डॉ प्रमोद कुमार, खेल निदेशक डॉ कपिल दवे, डॉ. केके पांडेय, लेफ्टिनेंट यशोधरा राजे समेत विश्वविद्यालय के डीन और एचओडी मौजूद रहे।

कार पर बैठकर युवक के स्टंट करने का वीडियो

पुलिस कार के नंबर के आधार पर आरोपी के खिलाफ कार्रवाई करने में जुटी

जेवर। जेवर कोतवाली क्षेत्र में स्थित यमुना एक्सप्रेसवे पर एक कार पर सवार युवक द्वारा स्टंट करने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। बताया जाता है कि जिस वक्त वह स्टंट कर रहा था। तब उस दौरान अन्य लोगों को परेशानी हो रही थी। गनीमत रही की कोई हादसा नहीं हुआ। वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने इस मामले में आरोपी की पहचान कर उसके खिलाफ जल्द ही कानूनी कार्रवाई करने का दावा कर रही है।

बुधवार से सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ है। जिसमें दावा किया जा रहा है कि यह वीडियो जेवर कोतवाली क्षेत्र में स्थित यमुना एक्सप्रेसवे के दयानतपुर गांव के पास

का है। वीडियो में एक युवक कार चला रहा है। जबकि दूसरा युवक कार की छत और बोनट पर बैठकर स्टंट कर रहा है। जिसकी वजह से वहां से निकलने वाली लोगों को परेशानी हो रही है। इस दौरान पीछे से अंधकार में सवार एक युवक ने उनका वीडियो बना लिया और जिसको सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया गया वायरल होने के बाद पुलिस ने मामले को संज्ञान में लिया है।

युवक को गिरफ्तार कर कार्रवाई की जाएगी

पुलिस का कहना है कि कार के नंबर का आधार पर मालिक की पहचान कर ली गई है। जल्द ही स्टंट करने वाले युवक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ भी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। स्थानीय लोगों का कहना है कि यमुना एक्सप्रेसवे पर आए दिन इसी तरह स्टंट होते रहते हैं जिसकी तरफ स्थानीय पुलिस ध्यान नहीं देती है। जिसके कारण ही हादसे भी होते हैं। इससे पहले भी कई बार यमुना एक्सप्रेसवे पर इसी तरह और भी स्टंट हुए हैं। लेकिन पुलिस द्वारा कार्रवाई नहीं की गई।

वीडियो को संज्ञान में लेते हुए कार के मालिक की पहचान की गई

जिसके चलते लोगों के हौसले बुलंद है। स्टंट करते हुए लोग रील भी बनाते रहते हैं। जेवर कोतवाल प्रभारी मनोज कुमार का कहना है की वीडियो को संज्ञान में लेते हुए कार के मालिक की पहचान की गई है। जिसके खिलाफ भी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। साथ ही छत पर बैठकर जो आरोपी स्टंट कर रहा हैम उसकी पहचान कर उसको गिरफ्तार करने के लिए टीम जुटी हुई है।

हनी ट्रैप में फंसे एचआर मैनेजर ने दी जान

नोएडा। हनी ट्रैप में फंसाकर ब्लैकमेल किए जाने से परेशान एचआर मैनेजर ने घर में पंखे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। मूलरूप से प्रयागराज निवासी अभिषेक राज गुप्ता बरौला में किराये के मकान में रहते थे। मंगलवार रात को हुई घटना के बाद पिता फूलचंद गुप्ता ने कोतवाली सेक्टर-49 में आत्महत्या के लिए उकसाने का मुकदमा दर्ज कराया है।

पुलिस ने उस मोबाइल नंबर की जांच शुरू कर दी है जिससे एचआर मैनेजर के पास ब्लैकमेल करने के लिए फोन आ रहे थे। पुलिस को दी शिकायत में प्रयागराज के पुष्पांजलि नगर निवासी फूलचंद गुप्ता ने कहा है कि बेटा अभिषेक राज गुप्ता निजी कंपनी में एचआर मैनेजर था। आरोप है कि साइबर जालसाजों ने बेटे को फंसाकर अश्लील वीडियो बना लिया था। आरोपी अभिषेक के फोन पर कॉल कर और ई-मेल व मैसेज कर ब्लैकमेल कर रहे थे। आरोपी रिश्तेदारों को वीडियो को भेजने और सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी देकर लाखों रुपये मांग रहे थे। आत्महत्या करने से पहले अभिषेक ने परिजनों को इसकी जानकरी दी थी। इस पर पिता ने पुलिस में शिकायत करने की का सुझाव दिया था।

शार्ट न्यूज

जॉब दिलाने के नाम पर युवक ने लूटी अस्मत, एक महिला ने भी दिया दरिंदगी में साथ

साहिबाबाद (गाजियाबाद)। गाजियाबाद से साहिबाबाद स्थित टीला मोड़ थाना क्षेत्र की एक कॉलोनी में दिल्ली शाहदरा की युवती को कार चालक ने नौकरी दिलाने के बहाने दुष्कर्म किया। आरोप है कि चालक के साथ घटना में एक महिला ने भी साथ दिया। युवती ने पुलिस को शिकायत देकर महिला और चालक पर दुष्कर्म, साजिश करने व धमकी का मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस चालक की तलाश कर रही है। युवती ने पुलिस को बताया कि उन्हें करीब चार महीने पहले एक कार चालक से लिफ्ट ली थी। चालक ने जरूरत बताकर उसका फोन लेकर किसी से कॉल पर बात की। आरोप है कि इस बहाने चालक ने उनका फोन नंबर ले लिया। इसके बाद दोनों की दो महीने तक फोन पर बात होती रही लेकिन युवती ने अचानक अपना फोन नंबर बंद कर दिया। चालक 16 अप्रैल को अचानक उन्हें फिर मिला और नौकरी दिलाने का झांसा देकर युवती को गाड़ी में बैठाकर टीला मोड़ थानाक्षेत्र की एक कॉलोनी में ले गया। वहां एक फ्लैट में महिला मिली थी। चालक और महिला ने आपस में बात की।

नकली गहने देकर हड़पे सात लाख रुपये

इंदिरापुरम। कोतवाली क्षेत्र में आवास और शहरी कार्य मंत्रालय के असिस्टेंट सेक्शन अधिकारी को नकली गहने देने पर उनकी बहन की शादी टलने का मामला सामने आया है। उन्होंने इंदिरापुरम पुलिस को सराफ बंधुओं के खिलाफ सात लाख रुपये की धोखाधड़ी का मुकदमा कराया है। आरोप है कि दोनों सराफ की दुकान बंद करके भाग गए। शक्तिखंड में रहने वाले जतिन आवास और शहरी कार्य मंत्रालय में असिस्टेंट सेक्शन अधिकारी हैं। उन्होंने बताया कि बहन की शादी 18 अप्रैल को होनी थी। मार्च महीने में उन्होंने नीतिखंड सेक्टर-2 के तरुण कपूर और पंकज कपूर को शादी के लिए गहने बनाने का ऑर्डर दिया था। इसके लिए उन्होंने करीब दो लाख रुपये नकद और दो लाख दस हजार रुपये कीमत का नेकलेस, करीब ढाई लाख कीमत का कंगन दिया था। आरोप है कि शादी से कुछ दिन पहले सराफ बंधु ने उन्हें नकली गहनों पर 24 कैरेट का पानी चढ़ाकर दे दिया। जब उन्होंने दूसरी दुकान पर गहने की जांच कराई तो उसमें आरोपियों की जालसाजी का खुलासा हुआ।

निवेश के नाम पर बुजुर्ग से 87 लाख ठगे

नोएडा। साइबर जालसाजों ने शेयर बाजार में निवेश करने के नाम पर सेक्टर-45 स्थित एक सोसाइटी निवासी बुजुर्ग सुधाकर महापात्रा से 87 लाख रुपये ठग लिए। पीड़ित की शिकायत पर साइबर क्राइम थाने में केस दर्ज किया गया है। पुलिस जांच कर रही है। शिकायत में बुजुर्ग ने बताया कि कुछ समय पहले उन्हें एक व्हाट्सएप ग्रुप पर जोड़ दिया गया। इसमें घर बैठे डिजिटल मार्केटिंग और ऑनलाइन शेयर ट्रेडिंग करके लाखों रुपये कमाने की बात कही गई थी। ग्रुप में पहले से 150 से अधिक लोग जुड़े हुए थे। ग्रुप में प्रतिदिन शेयर बाजार और आईपीओ संबंधित जानकारी दी जाती थी। बीस दिन के बाद कई नंबरों से उनसे संपर्क किया गया। इसके बाद आरोपियों ने ऑनलाइन पेज की रेटिंग और रिव्यू का टास्क दिया, जिसे उन्होंने पूरा किया। इससे कुछ फायदा हुआ। इसके बाद जालसाजों ने ऑनलाइन ट्रेडिंग करने के लिए टास्क दिया। इस दौरान उन्होंने कई कंपनियों के शेयर बाजार में निवेश किया। इसके साथ ही आरोपियों के कहने पर अमेरिका स्थित कई कंपनियों के आईपीओ में भी निवेश कर दिया। जालसाज ऑनलाइन लेक्चर में कंपनी और शेयर बाजार से जुड़ी जानकारी देते थे। ग्रुप में आरोपियों ने इन कंपनियों में निवेश करने पर ज्यादा मुनाफा होने की बात कही। इस वजह से वह लगातार रुपये लगाते गए और 87.50 लाख निवेश कर दिया।

एयरपोर्ट पर नेविगेशन उपकरणों की जांच प्रक्रिया में मिली सफलता

ग्रेटर नोएडा। भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) के बीचक्राफ्ट किंग एयर बी-300 विमाग से नोएडा एयरपोर्ट पर लगे उपकरणों की जांच में सफलता मिली है। बीचक्राफ्ट किंग एयर बी-300 से डॉपलर वेरी हाई फ्रीक्वेंसी ओमनी रेंज उड़ान संचालित की गई। इनमें एडीवीआर कैलिब्रेशन फ्लाइट के माध्यम से नेविगेशन उपकरणों ने हर उड़ान में सही काम किया है। एयरपोर्ट प्रबंधन ने सफलता में इसे मील का पत्थर माना है। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट प्रबंधन और एएआई के अधिकारियों ने 17 अप्रैल से बीचक्राफ्ट किंग एयर बी-300 से एयरपोर्ट के ऊपर उड़ान भरकर नेविगेशन उपकरणों जांच शुरू की थी। करीब एक सप्ताह के समय में एयरपोर्ट प्रबंधन को बड़ी सफलता मिली है, हालांकि इस प्रक्रिया को पूरा करने के लिए 30 अप्रैल तक का लक्ष्य दिया गया था, मगर अब इसे पहले ही पूरा कर लिया है। इससे साफ है कि तय समय से ही उड़ान चालू हो सकेंगी। जांच में नेविगेशन और रडार के माध्यम से बीच क्राफ्ट किंग एयर बी-300 को सही दिशा में सूचनाएं प्रसारित की गई हैं। हर दिन इसे करीब आधे घंटे तक उड़ाया गया है। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट एजेंसी ने एक्स हैंडल के माध्यम से जानकारी देते हुए खुशी जाहिर की है। वहीं, नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड कंपनी के नोडल अधिकारी शैलेंद्र भाटिया ने बताया कि एएआई ने 17 अप्रैल से नेविगेशन प्रणाली की जांच का काम शुरू हुआ था।

चोरी का विरोध करने पर महिला की निर्मम हत्या

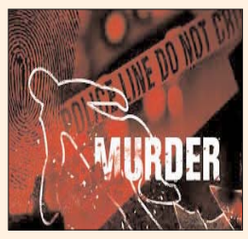

गाजियाबाद। नगर के मोहल्ला रिफ्यूजी कॉलोनी में पुलिस चेक पोस्ट से चंद कदमों की दूरी पर व्यापारी की मां की चार बदमाशों ने चोरी का विरोध करने पर हत्या कर दी। घटना के बाद आसपास के लोगों में दहशत फैल गई। सूचना पर आसपास के सैंकडों लोग मौके पर पहुंच गए, जिसके बाद उनमें रोष व्याप्त हो गया। हालांकि घर से कितना माल चोरी हुआ है, इसको लेकर पुष्टि नहीं हो पाई है। पुलिस ने आसपास में लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच करते हुए आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। सीओ समेत पुलिस के आला अधिकारियों ने घटनास्थल का निरीक्षण करते हुए आरोपियों की तलाश तेज कर दी है। मोहल्ला निवासी रोहित सेठी नगर की मेरठ रोड पर धार्मिक अनुष्ठान से जुड़ी सामग्री का कारोबार करते हैं। उनके परिवार में उनकी मां कमलेश ही रहती थीं। हालांकि रोहित की पत्नी करीब तीन साल से पंजाब के चंड़ीगढ़ में रहती हैं। रोजमर्रा की भांति उनकी मां दोपहर को घर से दुकान पर गई थीं। देर शाम करीब 8:30 बजे के बाद दुकान से वापस घर आईं। घर का ताला टूटा हुआ देखकर वह दंग रह गईं। अंदर जाकर देखा तो वहां पर चार लोग कमरे में रखी सेफ समेत अन्य अलमारी में रखा सामान चोरी कर ले जा रहे थे। उन्होंने उसका विरोध किया तो बदमाश उनसे भिड़ गए। उन्होंने पलटवार किया तो बदमाशों ने उन पर चाकू से हमला कर दिया। हमले में महिला की मौत हो गई और बदमाश महिला को मृत देखकर फरार हो गए।

हत्या के आरोपी की निशानदेही पर तमंचा बरामद

ग्रेटर नोएडा। ग्रेनो वेस्ट के न्यू हैबतपुर में शराब के ठेके के सेल्समैन की हत्या में शामिल आरोपी को पुलिस रिमांड पर लेकर पूछताछ की गई। पुलिस ने पूछताछ के दौरान आरोपी की निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त तमंचा बरामद किया। पुलिस पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वारदात के बाद वह तमंचा को झाड़ियों में फेंककर फरार हो गया था। पुलिस इस घटना में शामिल चार आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है। पुलिस रिमांड पर लाए गए आरोपी ने कोर्ट में सरेंडर किया था।बिसरख कोतवाली प्रभारी अरविंद कुमार ने बताया कि पुलिस डिमांड पर लाया गया आरोपी विशाल चौधरी उर्फ अक्की अगौता बुलंदशहर का रहने वाला है। पुलिस रिमांड पर आए आरोपी विशाल ने बताया कि वह 30 मार्च की रात न्यू हैबतपुर में हुई शराब के ठेके के सेल्समैन हरिओम की हत्या में शामिल था। घटना के समय उसने भी अपने तमंचे से फायर किया था। वह और उसके साथी घटना को अंजाम देने के बाद वहां से भाग निकले थे। कुछ दूर चलकर रास्ते में खड़ी झाड़ियां में उसने अपना तमंचा फेंक दिया था। पुलिस पूछताछ में आरोपी का नाम सामने आने के बाद उसने कुछ दिनों पहले कोर्ट में सरेंडर कर दिया था। पुलिस ने आरोपी को डिमांड पर लेकर पूछताछ की है। पुलिस ने आरोपी के निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त तमंचा बरामद किया है।

आग लगने से भाभी-ननद जिंदा जली

सामान बाहर निकालते समय चाचा-भतीजे झुलसे, 24 घरों का गृहस्थी का सामान जलकर राख

लखीमपुर-खीरी। लखीमपुर खीरी में गुरुवार को घर में आग लगने से भाभी और ननद जिंदा जल गई। घर से सामान बाहर निकालते समय चाचा और भतीजे झुलस गए हैं। साथ ही 12 मवेशी जिंदा जल गए हैं। फायर ब्रिगेड की मदद से आग पर काबू पाया गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने चाचा भतीजे को अस्पताल में भर्ती कराया और महिलाओं के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया।घटना निघासन तहसील के सिंगहा गांव की है।

गांव में आग लगे की सूचना मिलने पर एसडीएम और तहसीलदार मौके पर पहुंचे और दमकल विभाग की कर्मियों की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक आग 24 घरों को अपने चपेट में ले चुकी थी।

आग लगने से 24 घरों का गृहस्थी का सामान जलकर राख हो गया और चारों तरफ चीख पुकार मच गई। आग लगने से करीब 50 लाख का नुकसान बताया जा रहा है।

बेटे के साथ कमरे में सो रही महिला

सिंगहा निवासी बीजेपी कार्यकर्ता संतराम ने बताया कि दोपहर 12 बजे उसके घर से आग लग गई। आग लगने का कारण पता नहीं चल सका। आग लगने से उनकी मां और बुआ जिंदा जल गईं। हादसे के समय वह घर पर नहीं था, एक राजनीतिक कार्यक्रम में शामिल होने गया था।

आग लगने से पहले उनकी बुआ संगीता (35) कमरे में अपने बेटे (13) सचिन के साथ सो रही थी। अचानक कमरे के पास बना बंगला जलने लगा। आग की लपटों से वह जाग गई और सचिन को कमरे से बाहर निकाल दिया। वह उसमें फंस गई और जलकर उनकी मौत हो गई।

सास ने बहू को बचाया

रामगुनी (50) पत्नी भागीरथ और उनकी बहू पूजा पत्नी साहजराम छप्पर वाले घर में सो रही थी। अचानक आग देखकर वह पूजा को मिट्टी की डेहरी से पीछे की दीवार फांदकर बाहर निकाल दिया और खुद उसमें फंसकर जलकर मर गई। दोनों को बचाने के लिए घर में घुसे बांके (45) पुत्र बाबूराम, सहजराम (30) पुत्र भागीरथ गंभीर रूप से झुलस गए। दोनों को सीएचसी में भर्ती कराया गया। हालत खराब होने पर जिला अस्पताल रेफर किया गया है। दोनों की हालत गंभीर है।

50 लाख का नुकसान

आग में सहजराम की दो बकरी, बांके लाल की चार बकरी, एक गाय और भैंस, राजाराम की चार बकरी जिंदा जलकर मर गई। आग में चारा मशीन, नगदी, अनाज, कपड़ा, बर्तन, ट्रैक्टर समेत 50 लाख का नुकसान हो गया। दमकल विभाग ने किसी तरह से आग पर काबू पाया। एसडीएम और तहसीलदार ने लोगों को हर संभव मदद दिलाने का आश्वासन दिया है।

प्रशासन करेगा हर संभव मदद

एसडीएम अश्विनी कुमार सिंह ने बताया कि अज्ञात कारणों से आग लगने से एक दर्जन से ज्यादा घर जल गए। कुछ पशुबाड़े और मवेशी जल हैं। 2 महिलाओं की मौके पर मौत हो गई, 2 लोग गम्भीर रूप से झुलस गए जिनको अस्पताल में भर्ती कराया गया है। प्रशासन की तरफ से जो भी सम्भव मदद है कि जाएगी।

बलिया में सड़क हादसा, 4 लोगो की हुई मौत

सफारी 3 बार पलटते हुए 20 मीटर गहरे गड्ढे में गिरी

चितबड़ागांव, बलिया। बलिया में सफारी पलटने से 4 लोगों की मौत हो गई। सभी बारात जाने के लिए घर से निकले। रास्ते में गाड़ी रोक कर शराब पी। फिर फेफना जाने लगे। जैसे ही उनकी गाड़ी नेशनल हाईवे-39 पर पहुंची ड्राइवर ने कंट्रोल खो दिया।

गाड़ी पलट गई और हाईवे से करीब 5 मीटर नीचे एक पेड़ से टकराई। इसके बाद 2 बार और पलटते हुए 20 मीटर गहरे गड्ढे में गिर गई। गाड़ी में 5 लोग सवार थे। 3 की मौके पर ही मौत हो गई। एक ने अस्पताल में दम तोड़ा। एक का इलाज चल रहा है। हादसा फेफना थाना क्षेत्र के राजू ढाबा और गोपालधाम मांगलिक भवन के बीच बुधवार रात करीब 10: 30 बजे हुआ।

इन लोगों की गई जान

हादसे के बाद मौके पर चीख पुकार मच गई। राहगीरों की भारी भीड़ जमा हो गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को इलाज के लिए अस्पताल भेजा। जबकि मृतकों के परिजनों को घटना की सूचना दी गई। शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया। ग्रामीणों ने बताया, चितबड़ागांव के बढ़वलिया निवासी कमलेश यादव और राजू यादव दोस्त थे। गांव की बारात थी तो इन्होंने साथ चलने का प्रोग्राम बनाया।

अपने साथ तीखी गांव के रितेश गोंड और गाजीपुर के सत्येंद्र यादव को भी तैयार किया। गाड़ी सत्येंद्र की थी। चारों दोस्त कंस्ट्रक्शन के कारोबार से जुड़े थे और अच्छी कमाई करते थे। ये लोग अपने घर से शाम करीब 6 बजे निकले।

अयोध्या में शारदा नहर के पास मिला युवक का शव

अयोध्या। अयोध्या के महराजगंज थाना क्षेत्र के मया टांडा मार्ग पर स्थित शारदा नहर के सहायक नहर में गुरुवार को एक शव मिलने से सनसनी फैल गई। ग्रामीणों ने शव मिलने की सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने ग्रामीणों की सहायक से शव को नहर से बाहर निकाला। इसके बाद पंचनामा कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। शव की शिनाख्त नहीं हो सकी है। वहीं सूचना पर भारी संख्या में ग्रामीण नहर के पास एकत्र हो गए। थानाध्यक्ष महराजगंज अमरजीत सिंह ने बताया शारदा सहायक नहर में एक शव पाया गया। मृत युवक लगभग 35 वर्ष का प्रतीत होता है। शव पानी में कहीं से बहकर आया और पुल के पास बने ब्रेकर में फंस गया था। जिसे ग्रामीणों ने देखा, इसके बाद इसकी सूचना पुलिस को दिया। मृत युवक के शरीर पर हाफ लाल कलर की टी शर्ट और जूता मोजा पहने हुए है। अभी शिनाख्त नहीं हो सकी है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

प्रतापगढ़ में शादी से लौट रही महिला से गैंगरेप

पति को डंडों से पीटकर पत्नी को बोलेरो में डालकर ले गए 3 लोग, 4 घंटे बाद 15 किमी दूर फेंका

प्रतापगढ़। प्रतापगढ़ में शादी से लौट रही एक महिला के साथ गैंगरेप का मामला सामने आया है। बोलेरो सवार तीन आरोपी महिला को जबरन कार में उठा ले गए। गैंगरेप के बाद उसे 15 किलोमीटर दूर फेंक दिया। विरोध करने पर आरोपियों ने पति की लात-घूंसे मारकर पिटाई कर दी। पति रात को ही थाने पहुंचा और पत्नी के साथ हुई वारदात की सूचना दी।

पुलिस ने रात में ही सर्च ऑपरेशन चलाया और सुबह चार बजे वह महिला 15 किमी. दूर मिली। पुलिस

गैंगरेप और लूट का मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश कर रही है। महिला को जहां फेंका गया है वहां के सीसीटीवी खंगाले जा रहे हैं।

ससुराल में शादी में पत्नी को लेकर गया था पति

मामला प्रतापगढ़ जिले के कंधई थाना क्षेत्र का है। पीड़ित पति ने पुलिस को बताया कि मैं 24 अप्रैल की शाम को अपनी ससुराल में पत्नी के साथ शादी में आया था। यहां हमारे कई रिश्तेदार आए हुए थे। हम लोग रात करीब एक बजे तक कार्यक्रम में रहे। शादी की सारी रस्में पूरी होने के बाद हमने अपनी पत्नी से चलने के लिए कहा तो उसने थोड़ी देर में चलने की बात कहकर बात टाल दी।

मेरा भाई रिश्तेदारों से बातचीत में मशगूल था। रात ज्यादा हो रही थी इसलिए पत्नी पर जोर दिया और घर जाने का दबाव डाला। इस पर मेरी पत्नी सवा बजे मेरे साथ चल दी। भाई से मैंने कहा कि मैं चल रहा हूं तुम भी जल्दी आ जाओ। हम करीब 500 मीटर तक चले और रोड पर एक पुलिया के पास खड़े होकर भाई का इंतजार करने लगे। शादी के कारण मेरी पत्नी गहने आदि पहने हुए थी इसलिए मुझे डर भी लग रहा था।

अमेठी में सड़क हादसे में 2 युवकों की मौत

दोनों मध्य प्रदेश के रीवा के रहने वाले थे, ईंट लदी ट्रैक्टर ट्राली पलटने से हुआ हादसा

अमेठी जिला। अमेठी में ईंट लदी तेज रफ्तार ट्रैक्टर ट्राली अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गई। हादसे में चालक समेत एक अन्य की मौके पर ही मौत हो गई। स्थानीय ग्रामीणों की सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। दोनों मध्यप्रदेश के रीवा जिले के रहने वाले थे। घटना मुंशीगंज थान क्षेत्र के मुसाफिरखाना मार्ग पर चन्दौकी गांव

के पास की है। सुल्तानपुर के अलीगंज स्थित एकभट्ठे से ईंट लेकर ट्रैक्टर ट्राली मुसाफिरखाना मार्ग से होते हुए मुंशीगंज की तरफ जा रही थी। रास्ते में गौरीगंज-मुसाफिरखाना मार्ग पर चंदौकी गांव के पास राम उदित डिग्री कालेज के नजदीक ट्रैक्टर ट्राली अनियंत्रित होकर सड़क किनारे गड्ढे में पलट गई। हादसे में ट्रैक्टर चालक युधिष्ठिर और श्रमिक मनीष दब गए। हादसे के बाद बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीण मौके पर पहुंचे और दोनों घायलों को बाहर निकाला, लेकिन तब तक दोनों की मौत हो चुकी थी।स्थानीय ग्रामीणों ने घटना की सूचना पुलिस को दी।

ईंट भट्ठे पर काम करते थे

मुंशीगंज एसएचओ एसएन सिंह ने कहा कि दोनों युवक मध्य प्रदेश के रीवा जिले के रहने वाले थे। सुल्तानपुर के एक ईंट भट्ठे पर काम करते थे। भट्ठा मालिक से बात हो गई है। परिजनों को उनके माध्यम से जानकारी दे दी गई है।

मऊ पुलिस लाइन में लगी आग, तीन वाहन जले

मुकदमों में सीज 2 बसों-एक ट्रक में लगी आग

मऊ। मऊ रिजर्व पुलिस लाइन में गुरुवार सुबह करीब 11.30 बजे आग लग गई। देखते ही देखते 2 बसें और 1 ट्रक आग की चपेट में आ गए। सूचना पर पहुंची फायर ब्रिगेड की गाड़ी ने करीब डेढ़ घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

मौके पर पहुंचे बस और ट्रक मालिक हंसराज सिंह ने बताया कि उनके भाई सुरेश सिंह पर स्टैंड के ठेके को लेकर गैंगस्टर की कार्रवाई मुख्तार का करीबी बताकर किया गया है। इसके बाद हमारी गाड़ियां सीज की गईं। अब इसमें अज्ञात कारणों से आग लग गई जिससे हमारा काफी नुकसान हो गया है।

जानकारी के अनुसार गुरुवार की दोपहर परिसर में खड़ी गाड़ियों में अचानक आग लग गई। पुलिस लाइन में मौजूद लोगों ने आग बुझाने का काफी प्रयास किया लेकिन गर्मी और तेज हवा के चलते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। इस दौरान वहां खड़ी कई बसें और ट्रक आग से जलकर खाक हो गई।

आग लगने की सूचना पर मौके पर पहुंचे हंसराज सिंह ने बताया कि यह गाड़ियां उनके परिवार की हैं। मेरे भाई सुरेश सिंह के ऊपर स्टैंड को लेकर मुख्तार से जोड़कर गैंगेस्टर लगाया गया था।

इसके बाद हमारे परिवार की सभी गाड़ियां सभी बसें, चार फॉर व्हीलर, सात बाइक और दो ट्रकें सीज कर दी गई थीं।

एक नई गाड़ी हमारी बनकर आई थी और उसे भी सीज किया गया था। सभी गाड़ियां जल गई हैं। हमारा बहुत नुकसान हुआ है। हमारा भट्टा भी सीज कर दिए हैं। हमारा बहुत नुकसान हुआ है।

हाथरस में ग्रामीणों ने किया चुनाव बहिष्कार का ऐलान

मतदान केंद्र को 4 किलोमीटर दूर स्थानांतरित करने पर गुस्सा, धरना शुरू

हाथरस। हाथरस में सादाबाद कोतवाली क्षेत्र के गांव बासदत्ता और लालगढ़ी के लोगों ने लोकसभा चुनाव में मतदान के बहिष्कार का ऐलान किया है। इन लोगों ने स्कूल के बाहर धरना देकर प्रदर्शन किया और नारेबाजी की। लोगों का आरोप है कि उनके गांव के मतदान केंद्र को बदल दिया है और अब उन्हें 4 किलोमीटर दूर मतदान के लिए जाना पड़ेगा। इसलिए वह चुनाव में वोट नहीं डालेंगे।

सादाबाद क्षेत्र के दो गांव बासदत्ता और लालगढ़ी का बूथ पहले यहीं के परिषदीय स्कूल में था, लेकिन अब इन दोनों गांव का मतदान केंद्र यहां से चार किलोमीटर दूर गढ़ी नौकस में कर दिया है। ग्रामीणों को जब इसकी जानकारी हुई तो उनमें रोष व्याप्त हो गया। ग्रामीणों ने बैनर लगाकर चुनाव के बहिष्कार का ऐलान कर दिया और गांव में परिषदीय स्कूलों के बाहर धरना देकर जमकर नारेबाजी की। ग्रामीणों का कहना है कि आजादी के बाद से अब तक इसी गांव में उनका मतदान केंद्र था, लेकिन इस बार मतदान केंद्र को बदल दिया गया है। इससे उन्हें चुनाव में काफी परेशानी होगी।

यदि अब प्रशासन ने मतदान केंद्र को नहीं बदला और इसी स्थान पर नहीं किया तो वह चुनाव का बहिष्कार करेंगे। ग्रामीणों का कहना है कि वह 4 किलोमीटर दूर मतदान करने नहीं जाएंगे। ग्रामीणों का कहना है कि वह इस मामले से अधिकारियों को भी अवगत करा चुके हैं, लेकिन इस पर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा।

डीएम एसपी ने क्रिटिकल मतदान केन्द्रों का निरीक्षण किया

ललितपुर। जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी व पुलिस अधीक्षक मो0 मुश्ताक द्वारा को आगामी लोकसभा चुनाव- 2024 के दृष्टिगत थाना बानपुर क्षेत्रान्तर्गत अन्तर्गत बल्लरेबल/क्रिटिकल मतदान केन्द्रों का निरीक्षण किया गया तथा निरीक्षण के दौरान मूलभूत व्यवस्थाओं का जायजा लेकर सम्बन्धित को आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये। एसपी द्वारा प्राथमिक विधालय कैलगुंवा, प्राथमिक विधालय ककरेला, माध्यमिक विधालय कैलगुंवा, पूर्व माध्यमिक विधालय हीरानगर (म्यांव), प्राथमिक विधालय बरतला, उच्च प्राथमिक विधालय मौगान में जाकर मूलभूत व्यवस्थाओं का जायजा लिया लेकर सम्बन्धित को आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये। तत्पश्चात वल्लरेबल ग्राम बिल्ला में जाकर जनचौपाल लगाकर मतदाताओं को मतदान करने के लिये जागरूक किया गया। डीएम द्वारा वल्लरेबल मतदाताओं से वार्ता कर उनका विश्वास बढाया गया और उनकी समस्याये सुनी गयी तथा उनके निस्तारण हेतु सम्बन्धित को निर्देशित किया गया। पुलिस अधीक्षक द्वारा बताया गया कि प्रशासन आपके साथ है। धनबल और बाहुबल को निष्प्रभावी बनाकर भयमुक्त वातावरण में निष्पक्ष और पारदर्शी निर्वाचन में अधिक से अधिक संख्या में उत्साहपूर्वक भागीदारी हेतु बताया गया।

हरदोई में गर्भवती महिला ने किया सुसाइड

हरदोई। हरदोई में एक गर्भवती महिला का शव साड़ी के फंदे से लटकता मिला है। घटना की जानकारी के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच पड़ताल करते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। महिला का पति दिल्ली में रहकर मजदूरी करता है। मल्लावां कोतवाली क्षेत्र के गांव मेहंदीपुर निवासी संजय कुमार की पत्नी नीलम (28) ने अज्ञात कारणों के चलते साड़ी के पल्लू से छत के कुंडे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की जानकारी के बाद परिजनों ने आनन-फानन में उसे नीचे उतारा तब तक उसकी मौत हो गई थी। उपनिरीक्षक रामलाल सोनकर ने फॉरेंसिक टीम के साथ जांच की। महिला की 5 साल पहले शादी हुई थी और उसके डेढ़ साल की एक बेटी है और वह चार-पांच महीने की गर्भवती थी। उसका पति दिल्ली में रहकर मजदूरी का काम करता है। इस मामले में कोतवाल निर्भय सिंह ने बताया शव का पंचायत नामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

हत्या करने वाले तीन आरोपी गिरफ्तार

आरोपियों के कब्जे से आलाकत्ल चाकू बरामद

ललितपुर। अपर पुलिस महानिदेशक कानपुर जोन कानपुर एवं पुलिस उप महानिरीक्षक झांसी, परिक्षेत्र झांसी के निर्देश के क्रम में पुलिस अधीक्षक मो0 मुश्ताक के निर्देशन में अपर पुलिस अधीक्षक अनिल कुमार एवं क्षेत्राधिकारी सदर अभय नारायण राय के निकट पर्यवेक्षण में अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में घटना के सफल अनावरण हेतु थाना कोतवाली व एसओजी व सर्विलांस की संयुक्त टीम द्वारा थाना कोतवाली पर पंजीकृत मु0अ0सं0 306 /2024 धारा 302/147/149/323/504/120बी आईपीसी में वांछित अभियुक्त ऊदल सिंह पुत्र राम सिंह उम्र करीब 45 वर्ष संजय पुत्र ऊदल सिंह उम्र करीब 20 वर्ष इन्द्रजीत पुत्र ऊदल सिंह उम्र करीब 20 वर्ष नि0गण ग्राम सीरोन कला थाना जखौरा को सिद्दन मंदिर के पास से गिरफ्तार किया गया । वादिनी ने थाना कोतवाली में प्रार्थना पत्र देकर अवगत कराया कि अभियुक्तगण

संजय पुत्र ऊदल सिंह आदि 08 निवासी ग्राम सीरोन कला थाना जखौरा जनपद ललितपुर द्वारा एक राय होकर षड़यंत्र पूर्वक वादिया के भतीजे को अपने पास बुलाकर गाली गलौज करना, भतीजे शैलेन्द्र उम्र 20 वर्ष के द्वारा गाली देने से मना करने पर चप्पल से मारपीट करना व चाकू से प्राण घातक हमला कर लहुलूहान कर मरणासन्न कर देने के सम्बन्ध में सूचना दी गयी। सूचना के आधार पर थाना कोतवाली में 24.04.2024 को मु0अ0सं0 306/2024 धारा 147/149/323/504/302/120बी आईपीसी में अभियोग पंजीकृत किया गया है । शव को कब्जे में लेकर पंचायतनामा की कार्यवाही कर पोस्टमार्टम कराया गया है । उच्चाधिकारियों द्वारा मौके पर पहुंचकर घटना स्थल का निरीक्षण किया गया । घटना की गंभीरता व संवेदनशीलता को देखते हुए अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु क्षेत्राधिकारी सदर के नेतृत्व में एसओजी टीम, सर्विलांस टीम, व कोतवाली पुलिस की टीमो को लगाया गया था ।

अभियुक्त संजय सिंह ने पूँछने पर बताया कि मेरी पत्नी का शैलेन्द्र सिंह रिश्ते में मामा लगता था । मेरी पत्नी के घर शैलेन्द्र सिंह का शादी से पहले आना जाना था ।

शार्ट न्यूज

शादी समारोह में गया था परिवार चोरों ने उड़ाया लाखो का जेवरात

हरिनारायण यादव व्यूरो विशाल इंडिया

गाजीपुर ।जंगीपुर थाना क्षेत्र में चोरों की खौफ को पुलिस कम नहीं कर पा रही है। एक बार फिर चोरों ने थाना क्षेत्र शास्त्रीनगर के वार्ड नं 6 कालोनी स्थित बंद मकान को निशाना बनाकर आलमारी में रखे सोने की चैन, मंगलसूत्र, कनफूल, मांगटीका , पायल , करधनी जिनकी कीमत लगभग ढाई लाख के आस पास समेत अन्य कीमती सामान चोरी कर फुर्र हो गए। वारदात के वक्त पीड़ित परिवार रिश्तेदारी में जनपद के ही छपरी गांव में शादी समारोह में शरीक होने गए हुए थे। वापस लौटने पर पीड़ित को चोरी की जानकारी हुई। पीड़ित ने पुलिस को सूचना देकर कार्यवाही की मांग किया। पुलिस में दर्ज रिपोर्ट मे सरस्वती नगर कालोनी वार्ड नं 6 के रहने वाले रामनारायन विश्वकर्मा ने बताया कि बीती रात जब वह शादी समारोह से घर वापस आया तो देखा कि मकान के मुख्य गेट का टूटा हुआ है वह परेशान हो गए और भागकर अन्य कमरों को देखा तो मेरे होश उड़ गए मेरे घर के तीनों कमरों का ताला देखे तो आलमारी बेड बक्सा टूटा हुआ है और गहनों के बॉक्सउसकी रिश्तेदारी में शादी थी शादी समारोह में शरीक होने के बाद पीड़ित परिवार के साथ घर वापस लौटा तो घर का सामान तितर-बितर देखकर पीड़ित को होश उड़ गए।

पुलिस ने वांछित आरोपी को किया गिरफ्तार

ललितपुर । तालबेहट, पुलिस पुलिस ने एक वाछिंत अभियुक्त को किया गिरफ्तार आरोपी को न्यायालय में किया पेश। अधीक्षक मो0 मुश्ताक के निर्देशन में व अपर पुलिस अधीक्षक अनिल कुमार एवं क्षेत्राधिकारी तालबेहट कुलदीप कुमार के निकट पर्यवेक्षण में अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में तलाश वांछित अपराधी हेतु थाना तालबेहट पुलिस द्वारा मुखबिर की सूचना पर थाना पर पंजीकृत मु0अ0सं0 285/2023 धारा 302/498ए/323/504 भादवि0 से सम्बन्धित नामजद अभियुक्त नाथूराम साहू पुत्र स्व0 रतनलाल साहू उम्र करीब 59 वर्ष निवासी ग्राम जमालपुर थाना तालबेहट को ग्राम जमालपुर में स्थित मजार के सामने हाईवे से समय करीब 07.50 बजे पुलिस हिरासत में लिया गया तथा अभियुक्त उपरोक्त को गिरफ्तार कर अग्रिम विधिक कार्यवाही अमल में लायी जा रही है । गिरफ्तार करने वाली टीम प्रभारी निरीक्षक हरिशंकर चन्द उ0नि0 मुलायम सिंह, कां0 शुभम तिवारी कां0 पुष्पेन्द्र भदौरिया कां0 ऋषभ सागर आदि शामिल रहे।

संविदा पर कनिष्ठ लिपिक की नियुक्ति के प्राप्त हुए निर्देश

विशाल इंडिया/पुनीत मिश्रा

सीतापुर । प्रभारी/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्रीमती सुदेश कुमारी ने बताया कि मा0 उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ के पत्र दिनांकित-28.04.2022 के अनुपालन में जनपद सीतापुर में संचालित ए0डी0आर0 केन्द्र/जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सीतापुर में तृतीय श्रेणी कर्मचारी (कनिष्ठ लिपिक) के एक संविदा पद पर नियुक्ति किये जाने के निर्देश प्राप्त हुए है। शैक्षिक योग्यता इण्टरमीडिएट या समक्ष, हिन्दी टंकण का ज्ञान (25 शब्द प्रति मिनट) अंग्रेजी टंकण व कम्प्यूटर का ज्ञान रखने वाले को वरीयता दी जायेगी। उक्त पद हेतु आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों को निर्धारित प्रारूप पर अपना आवेदन समस्त औपचारिकताओं को पूर्ण करते हुये जनपद न्यायालय सीतापुर में स्थित जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के कार्यालय में जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष,जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार दिनांक-04 मई 2024 को सांय चार बजे तक पंजीकृत डाक के माध्यम से प्रेषित किये जायेंगे। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त होने वाले आवेदनों पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

खदाई करते वक्त गेंहूँ के बोझ में लगी आग ट्राली व गेंहूँ सहित लाखों का हुआ नुकसान

विशाल इंडिया/पुनीत मिश्रा

सीतापुर। जिले की तहसील बिसवां क्षेत्र के ग्राम धरमपुर में गुरुवार को दोपहर में खेत परिसर में थ्रेशर मशीन से गेंहू की खदाई करते समय अचानक आग लगने से एक ट्रॉली सहित हजारों रुपयों का गेंहू जलकर खाक हो गया है। इस घटना में जमालपुर निवासी अल्पभूधारक किसान शोभा रानी पत्नी किशोर व मशीन मालिक हरद्वारी का काफी नुकसान हुआ है। ईश्वरीय कृपा से इस हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई। प्राप्त जानकारी के अनुसार अल्प भूधारक किसान शोभा रानी के मालकियत के लगभग तीन बीघा में लगाये गये गेंहूँ की खदाई थ्रेशर मशीन से की जा रही थी। अचानक मशीन के पास पड़े भूसे में आग लग गयी। जिसकी चपेट में आने से ट्राली सहित हजारों रुपयों का गेंहूँ जलकर खाक हो गया। बताया जाता है कि पीड़िता किसान गांव में रहनेवाले हरद्वारी से ट्रैक्टर एवं थ्रेशर मशीन किराये पर लायी थी। जिसके चलते गुरुवार को दोपहर में थ्रेशर मशीन से खेत में गेंहूँ खदाई का काम शुरू हुआ और भूसा ट्रॉली में गिराया जा रहा था। कुछ ही देर बाद गेहूँ के बोझ में अचानक आग लग गई। देखते ही देखते आग ने रौद्र रूप धारण कर लिया आग की चपेट में आकर ट्रॉली, थ्रेशर मशीन सहित खेत में रखा हजारों रुपये का गेंहूँ व भूसा जलकर खाक हो गया।

बीआरसी कार्यालय पर सम्पन्न हुई प्रधानाध्यापको के साथ मासिक समीक्षा बैठक

विशाल इंडिया/पुनीत मिश्रा

सीतापुर। जिले के ब्लॉक संसाधन केन्द्र कसमण्डा पर मासिक समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। जिसमें सरस्वती मां के चित्र पर माल्यार्पण एवं सरस्वती वंदना के बाद बैठक की अध्यक्षता कर रहे,खण्ड शिक्षा अधिकारी सुरेन्द्र नाथ प्रजापति के द्वारा निम्न कई बिंदुओं पर चर्चा की गई, जैसे विद्यालय की साफ सफाई पर चर्चा ,निपुण भारत कार्य -क्रम के अन्तर्गत विद्यालयों में छात्रों की स्थिति पर चर्चा,अधिकतम नामांकन व अधिक छात्र उपस्थित, कक्षा एक में चहक कार्यक्रम का क्रियान्यवन व अभिलेखीकरण,कक्षा दो -तीन में नई संदर्शिका के अनुसार शिक्षण कार्य एवं कक्षा चार-पांच में निर्देशिका व पाठ्य पुस्तक के आधारित शिक्षण कार्य, बूथ वाले विद्यालयों की स्थिति की समीक्षा, विद्यालयों को निपुण बनाने की कार्य योजना के तहत कार्य करना, टाइम एंड मोशन का अनुपालन करना , नवाचारी शिक्षकों द्वारा प्रदर्शन आदि निम्न बिन्दु पर चर्चा हुई।

हाथरस में युवती ने किया सुसाइड

हाथरस। हाथरस गेट कोतवाली क्षेत्र के नगला अलगजी में एक युवती ने सुसाइड कर लिया। परिवार के लोग उसे गंभीर हालत में जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन वहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। युवती के माता-पिता दोनों नेत्रहीन हैं। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया है। कोतवाली हाथरस गेट क्षेत्र के नगला अलगजी की निवासी रामनरेश की 19 वर्षीय बेटी अर्चना ने देर रात फांसी लगाकर जान दे दी। रामनरेश और उनकी पत्नी मुकेशदेवी दोनों नेत्रहीन हैं। रामनरेश मथुरा कलेक्ट्रेट में कर्मचारी हैं। मृतका अर्चना उनके घर में बड़ी बेटी थी और उसने इस साल इंटरमीडिएट की परीक्षा उत्तीर्ण की थी। रामनरेश का एक छोटा बेटा भी है और वह इस समय कक्षा सात में पढ़ रहा है। परिवार के लोगों ने जब अर्चना को फांसी के फंदे पर लटका हुआ देखा तो उसे उपचार के लिए जिला अस्पताल लेकर आए। वहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। अस्पताल प्रशासन ने इसकी सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने मामले को लेकर पूछताछ की। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

मिस्र, नीदरलैंड ने किया गाजा संघर्ष खत्म करने और दो-राज्य समाधान लागू करने पर जोर

काहिरा। मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल-फतह अल-सिसी ने नीदरलैंड के प्रधान मंत्री मार्क रुटे के साथ गाजा में हमास-इजराइल के बीच चल रहे युद्ध को लेकर फोन पर चर्चा की। इस दौरान दोनों देशों के नेताओं ने गाजा में चल रहे संघर्ष को खत्म करने और दो-राज्य समाधान को लागू करने की जरुरत पर बल दिया। मिस्र के राष्ट्रपति ने एक बयान में कहा, श्री सिसी और श्री रुटे ने संघर्ष विराम तक पहुंचने की दिशा में काम करने और गाजा के सभी इलाकों में भरपूर मात्रा में मानवीय मदद पहुंचने को सुनिश्चित करने पर सहमति व्यक्त की, ताकि इस युद्ध के चलते गाजा पट्टी में होने वाली गंभीर मानवीय तबाही से बचाया जा सके। बयान में कहा गया कि उन्होंने यहां स्थिति बहाल करने और इलाके में सुरक्षा और शांति कायम करने में योगदान देने के लिए दो-राज्य समाधान के कार्यान्वयन की दिशा में आगे बढ़ने की जरुरत पर भी जोर दिया। इस दौरान मिस्र के राष्ट्रपति ने फिलिस्तीनी शहर राफा में किसी भी इजरायली सैन्य अभियान के खिलाफ चेतावनी देते हुए कहा कि ऑपरेशन के गाजा पट्टी में मानवीय स्थिति और क्षेत्रीय शांति और सुरक्षा पर विनाशकारी परिणाम होंगे।

आईएस के 11 आतंकवादियों को ईराक ने दी फांसी

बगदाद। इस्लामिक स्टेट (आईएस) समूह का सदस्य होने के आरोप में इराकी अधिकारियों ने 11 दोषियों को फांसी दी है। इस बात की जानकारी सुरक्षा से जुड़े एक सूत्र ने बुधवार को दी है। जानकारी देने वाले जेल अधिकारी ने नाम उजागर नहीं करने की शर्त पर बताया कि इराकी राजधानी बगदाद से लगभग 350 किलोमीटर दक्षिण में नासिरिया शहर में नासिरियाह सेंट्रल जेल में मंगलवार को आतंकी होने के बिनय पर 11 लोगों को फांसी दी है। सूत्रों की मानें तो इराकी न्याय मंत्रालय की एक टीम ने इराकी राष्ट्रपति की इजाजत के बाद ही सभी कानूनी प्रक्रियाओं को पूरा कर मौत की सजा को क्रियांवित किया है। यहां बतलाते चलें कि वर्ष 2017 के आखिर में इराकी बलों द्वारा इराक में आईएस को हराने के बाद सैकड़ों आईएस समर्थक या तो मार दिए गए थे पकड़े गए थे, जबकि अनेक अन्य इराक या विदेश में बड़े पैमाने पर अभी भी छिपे हुए हैं। खास बात यह है कि इराक में मृत्युदंड की सजा को 10 जून 2003 में निलंबित कर दिया गया था, लेकिन हालात और सुरक्षा की दृष्टि से इसे अगस्त 2004 में फिर बहाल कर दिया गया है। अब खबर यह है कि ईराक में 11 आतंकवादियों को जो कि आईएस के बताए गए हैं को फांसी दे दी गई है। इसकी विस्तृत जानकारी सरकारी एजेंसी द्वारा फिलहाल नहीं दी गई है।

हमास 5 साल के सीजफायर को तैयार

गाजा। गाजा में जंग के 6 महीने बाद हमास के एक सीनियर अधिकारी ने 5 साल के सीजफायर की इच्छा जाहिर की है। खलील अल-हैय्या ने कहा है कि अगर फिलिस्तीन एक अलग और आजाद देश बनता है तो हम हथियार डाल देंगे और एक साधारण राजनीतिक पार्टी के तौर पर काम करेंगे। हालांकि, 7 अक्टूबर के हमले के बाद हमास का खात्मा करने की कसम खा चुका इजराइल इस समझौते के लिए सहमत हो इसकी संभावना न के बराबर है। अल-हैय्या का कहना है कि अगर फिलिस्तीन को 1967 की जंग से पहले के इलाके दिए जाते हैं तो वो इजराइल के खिलाफ युद्ध नहीं लड़ेगा।

बांग्लादेश में इंडिया आउट कैंपेन फेल

ढाका । बांग्लादेश में मुख्य विपक्षी दल बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी ने आम चुनावों का बहिष्कार किया था। इसके बाद बीएनपी ने नए मुद्दे को हवा देने की कोशिश करते हुए भारत के खिलाफ इंडिया आऊट कैंपेन शुरू किया था। जनवरी के बाद बीएनपी के बड़े नेताओं ने बांग्लादेश में विपक्ष की नाकामी के लिए भारत को जिम्मेदार ठहराना शुरू कर दिया। बीएनपी के महासचिव राहुल कबीर रिजवी ने अपनी भारतीय शॉल को जमीन पर फेंक दिया और आग लगा दी, सीधे तौर पर इंडिया आउट आंदोलन के साथ एकजुटता व्यक्त की। इसके बाद बीएनपी और उसकी समान विचारधारा वाली पार्टियों ने इस आंदोलन को लेकर सोशल मीडिया पर बहुत प्रचार किया, लेकिन विरोध जमीन पर उतर नहीं पाया।

इजराइल के साथ संघर्ष विराम को तैयार हमास.....लेकिन ये शर्त

तेलअवीव । गाजा में युद्ध के बीच हमास के नेता खलील अल हाया ने कहा है कि उनका संगठन इजरायल के साथ 5 साल के लिए संघर्ष विराम को तैयार है। साथ ही हमास के लड़ाके हथियार भी त्याग देने वाले है। हालांकि इसके लिए अल हाया की शर्त है कि एक स्वतंत्र फलस्तीनी देश का गठन हो और उसकी सीमा साल 1967 के पहले की हो। हाया गाजा में हमास के डेप्युटी चेयरमैन हैं। उन्होंने फिर से अपनी मांग दोहराकर कहा कि इजराइल के बंधकों को छोड़ने की डील में स्थायी संघर्ष विराम को शामिल करे। हमास नेता का यह बयान उस समय पर आया है, जब इजरायल राफा में भी जोरदार कार्रवाई करने जा रहा है, जो मिस्र की सीमा पर हमास का आखिरी बड़ा गढ़ है। अल हाया ने कहा कि हमास वेस्ट बैंक और गाजा पट्टी में एक पूरी तरह से संप्रभु फिलिस्तीनी देश का इच्छुक है। साथ ही अंतरराष्ट्रीय निर्णयों के मुताबिक फिलिस्तीनी शरणार्थियों की वापसी भी हो। इससे पहले एक वरिष्ठ हमास नेता ने दावा किया था कि उनके नेता याह्या सिन्वार हाल ही में कई बार सुरंग से बाहर आए थे और उस इलाके में गाजा के लोगों से मुलाकात की। सिन्वार को भी हकीकत का अंजादा है। इजराइली खुफिया एजेंसियां सिन्वार को रोक नहीं पा रही हैं।

भारत के पड़ोसी देश में तैनात होगी ड्रैगन की आर्मी

बीजिंग । चीन अपनी सेना की एक टुकड़ी को बांग्लादेश में तैनात करने जा रहा है। चीन के रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता वू कियान ने इसकी जानकारी दी है। कियान ने बताया कि बांग्लादेश की सेना के साथ संयुक्त प्रशिक्षण आयोजित करने के लिए पीपल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) की एक टुकड़ी को मई की शुरुआत में बांग्लादेश में तैनात किया जाएगा। चीन और बांग्लादेश की सेनाओं के बीच ये पहली ज्वाइंट मिलिट्री ट्रेनिंग है। रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता के हवाले से बताया, प्रशिक्षण का मकसद चीन और बांग्लादेश के बीच आपसी समझ, दोस्ती को मजबूत करना और दोनों पक्षों के बीच व्यावहारिक आदान-प्रदान और सहयोग को बढ़ाना है। कियान ने कहा कि यह प्रशिक्षण संयुक्त राष्ट्र शांति रक्षा और आतंकवाद विरोधी अभियानों के संदर्भ में तैयार किया गया है। इसमें एक मिश्रित प्रशिक्षण मॉडल शामिल होगा। बांग्लादेश में चीनी सेना की पहुंच बीजिंग की उस विस्तृत योजना का हिस्सा मालूम पड़ती है, जिसके तहत वह अपनी सैन्य मौजूदगी को वैश्विक स्तर पर बढ़ाना चाहता है।

सिर से पांव तक बुर्के में दिखी ईरानी राष्ट्रपति की पत्नी

इस्लामाबाद। ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी 22 अप्रैल को पाकिस्तान के तीन दिन के दौरे पर इस्लामाबाद पहुंचे थे। रईसी ने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और राष्ट्रपति आसिफ जरदारी सहित पाक के तमाम बड़े नेताओं से बात की। पाकिस्तान में रईसी के साथ उनकी पत्नी जमीला अलम अलहुदा की भी चर्चा है, जो पति के साथ इस्लामाबाद पहुंचीं। ईरानी राष्ट्रपति की पत्नी ने कहा कि पाकिस्तान के बारे में उनकी धारणा पहले से ही सकारात्मक थी। गाजा पट्टी में जारी जंग पर अलहुदा ने कहा कि इजरायल फिलिस्तीनियों का नरसंहार कर रहा है।

केन्या में भारी बारिश के बीच निकलती हुई एक वृद्ध महिला की सहायता करते हुए लोग।

5000 भारतीयों को रवांडा भेजेगी, ब्रिटेन सरकार

लंदन। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने 5000 अवैध रूप से रह रहे भारतीयों को,अफ्रीका के देश रवांडा भेजने का फैसला किया है। 5000 भारतीय अवैध रूप से ब्रिटेन में रह रहे थे। उन्होंने शरणार्थी का दर्जा पाने के लिए आवेदन किया था। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने इसे ना मंजूर कर दिया है। 1 जनवरी 2022 के बाद से अवैध रूप से जो भी लोग ब्रिटेन पहुंचे हैं। ब्रिटेन सरकार द्वारा उन्हें शरणार्थी का दर्जा नहीं दिया जा रहा है। नाही ब्रिटेन सरकार उन्हें अपने देश में रखना चाहती है। ब्रिटेन में रह रहे यह 5253 भारतीयों मे 60 फीसदी से अधिक 18 से 29 साल के बीच के हैं।

इंग्लिश चैनल को नावों के जरिए पार करके यह लोग ब्रिटेन पहुंचे थे। अवैध रूप से ब्रिटेन भेजने वाले एजेटों ने इन युवाओं से लाखों रुपए वसूल किए थे। भारत सरकार से कोई सहायता इन्हें नहीं मिली। इसके बाद ब्रिटेन सरकार ने 5000 से अधिक भारतीयों को रवांडा भेजने का फैसला किया है। ब्रिटेन सरकार रवांडा की सरकार को प्रति शरणार्थी 63 लाख रुपए अदा करेगी। ब्रिटेन में सभी देशों के जो शरणार्थी रह रहे थे। उसके लिए ब्रिटेन की सरकार ने 18900 करोड रुपए रवांडा की सरकार को दिए हैं। रवांडा 2009 में राष्ट्रमंडल में शामिल हो गया है। भारत सरकार ने अभी तक अपने नागरिकों को भारत वापस लाने के लिए कोई पहल नहीं की है। जिसके कारण अब यह रवांडा में रहने के लिए मजबूर होंगे।

अमेरिका, ब्रिटेन समेत कई देशों की सलाह मानने से इजराइल का इंकार, राफा को ध्वस्त करने पर अमादा

तेल अवीव (एजेंसी)। अमेरिका, ब्रिटेन समेत कई देशों ने इजराइल को सलाह दी है कि वह युद्ध से पीछे हट जाए। इसके बाद भी इजराइल ने गाजा के राफा शहर पर हमले की तैयारी पूरी कर ली है। इजराइल ने बुधवार को कहा कि वह राफा पर हमले की तैयारी में है और उसकी सेना आगे बढ़ रही है। उसके इस ऐलान से पड़ोसी देश मिस्र भी नाराज हो गया है। इजराइल यह हमला करेगा, इसकी कोई टाइमलाइन तय नहीं है, लेकिन हमला कभी भी हो सकता है।

अब इजराइल का कहना है कि हमास की 4 सशस्त्र यूनिटों ने राफा शहर में ठिकाना बना लिया है। ऐसे में उसे नेस्तनाबूद करने के लिए राफा पर जमीनी हमला करना जरूरी है। इस बार इजरायल यह सावधानी भी रख रहा है कि उस पर आम नागरिकों के कत्लेआम का आरोप न लगे। इसीलिए उसने हमले से पहले टेंट सिटी बसाने का प्लान बनाया है ताकि राफा से निकलने वालों को शरण दी जा सके। वहीं मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फतेह अल-सीसी ने इजरायल को चेतावनी दी है कि यदि उसने राफा पर हमला किया तो गंभीर परिणाम होंगे।राफा शहर पर हमले को लेकर मिस्र इसलिए चिंतित है क्योंकि वह उसकी सीमा से सटा हुआ है। पहले ही गाजा पर हमला होने के बाद से बड़ी संख्या में फिलिस्तीनी मिस्र चले गए हैं। ऐसे में अब राफा पर अटैक होने से और बड़ी संख्या में फिलिस्तीनियों के मिस्र में घुसने का डर है। राफा शहर की आबादी करीब 10 लाख की है। मिस्र के अलावा अमेरिका का भी कहना है कि इजरायल को यह

ऑपरेशन नहीं करना चाहिए। बता दें कि इजरायल ने दक्षिणी गाजा से अपने सैनिकों को वापस बुला लिया है। इसके बाद अब राफा पर हमले की तैयारी है।

इजरायली सेना के सूत्रों का कहना है कि करीब 40 हजार टेंट खरीदे गए हैं। हर टेंट में 10 से 12 लोग रह सकते हैं। इजरायल इस बार राफा पर हमला करने से पहले टेंट सिटी तैयार करेगा ताकि वहां से बाहर निकलने वाले फिलिस्तीनियों को वहां रखा जा सके। इजरायली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू खुद कई बार दोहरा चुके हैं कि राफा पर हमला किया जाएगा। गाजा का यही एक ऐसा शहर है, जिसमें अब तक इजरायली सेना नहीं घुसी थी। हमास ने 7 अक्टूबर को इजरायल पर हमला किया था। उसके बाद से ही इजरायल हमलावर है और खान यूनिस समेत गाजा के कई शहरों को तबाह कर दिया है। इजरायल के हमलों में अब तक 35 हजार से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं।

अंतरिक्ष में परमाणु हथियारों पर रोक लगाने के प्रस्ताव पर रुस ने किया वीटो

-कहा-प्रस्ताव अंतरिक्ष में सभी प्रकार के हथियारों को बैन करने में सक्षम नहीं

जेनेवा, (एजेंसी)। अंतरिक्ष में खतरनाक परमाणु हथियारों को तैनात करने की होड़ को रोक लगाने के लिए पंद्रह सदस्यीय संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में 13 देशों ने प्रस्ताव के पक्ष में मतदान किया जबकि रूस ने इसका विरोध किया और चीन इस मामले पर नदारद रहा। रूस ने प्रस्ताव को राजनीति से प्रेरित करार देते हुए इसे खारिज कर दिया। रुस ने कहा कि यह प्रस्ताव अंतरिक्ष में सभी प्रकार के हथियारों को बैन करने में सक्षम नहीं है।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के इस प्रस्ताव में सभी देशों से अंतरिक्ष में परमाणु हथियार या फिर ऐसे किसी भी हथियार को तैनात नहीं करने का आह्वान किया गया है, जो मानवजाति के लिए भारी तबाही का कारण बनेंगे। अंतरिक्ष में हथियारों की तैनाती 1967 के अंतरराष्ट्रीय संधि के अंतर्गत प्रतिबंधित है।

अमेरिकी राजदूत लिंडा थॉमस ग्रीनफील्ड ने इस प्रस्ताव के मतदान के बाद कहा कि रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का कहना है कि मॉस्को की अंतरिक्ष में परमाणु हथियारों को तैनात करने की मंशा बिल्कुल भी नहीं है लेकिन रूस द्वारा इस प्रस्ताव पर वीटो किया जाना यह संकेत देता है कि रुस सरकार कुछ न कुछ छिपा रही है।

बता दे कि व्हाइट हाउस ने फरवरी में इस बात की पुष्टि की थी रूस ने उपग्रह रोधी हथियार क्षमता हासिल कर ली है हालांकि ऐसा कोई हथियार अभी तक प्रयोग में नहीं लाया गया है। 18 मार्च को थॉमस-ग्रीनफील्ड ने प्रस्ताव की घोषणा की थी। रुसी राष्ट्रपति पुतिन ने बाद में इस बात की घोषणा की थी कि मॉस्को का अंतरिक्ष में परमाणु हथियार तैनात करने का कोई इरादा नहीं है। पुतिन ने दावा किया कि रूस ने केवल अमेरिका के समान ही अंतरिक्ष क्षमताएं विकसित की हैं।

श्रीलंका भारत के साथ व्यापक आर्थिक सहयोग बढ़ा रहा : रानिल विक्रमसिंघे

कोलंबो (एजेंसी)। श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे ने कहा कि द्वीप राष्ट्र भारत के साथ व्यापक आर्थिक सहयोग में तेजी लाने पर योजना बना रहा है। इसमें पर्यटन क्षेत्र अहम रहेगा। भारतीय कंपनी आईटीसी होटल्स की पहली विदेशी संपत्ति आईटीसी रत्नादीपा के उद्घाटन समारोह में विक्रमसिंघे ने कहा कि एक उभरते हुए आर्थिक दिग्गज के रूप में भारत की स्थिति और एक रणनीतिक लॉजिस्टिक्स केंद्र के रूप में श्रीलंका की स्थिति दोनों अर्थव्यवस्थाओं को आगे बढ़ाने में एक-दूसरे के पूरक होगी।

विक्रमसिंघे ने कहा, मुझे कोई संदेह नहीं है कि यह (आईटीसी रत्नादीपा) श्रीलंका में पर्यटन को बढ़ाने में मदद करेगा, खासकर भारत से... यह उस बयान के अनुरूप है जिस पर प्रधानमंत्री (नरेन्द्र) मोदी और मैंने पिछले साल हस्ताक्षर किए थे। उन्होंने कहा, भारत अब उभरते आर्थिक दिग्गजों में से एक है और हम

(श्रीलंका) लॉजिस्टिक्स के मामले में भारत के बाद एक महत्वपूर्ण स्थान पर हैं।''

पर्यटन क्षेत्र पर खासतौर पर विक्रमसिंघे ने कहा, '' मुझे इसमें कोई संदेह नहीं है कि कई वर्षों तक, श्रीलंका छुट्टियां बिताने के लिए उपयुक्त स्थान रहेगा। आने वाले समय में बेंगलुरु, चेन्नई या हैदराबाद में किसी व्यक्ति के लिए विमान के द्वारा यहां आना भारत के उत्तरी हिस्से में जाने से अधिक आसान होगा। आईटीसी का नया होटल किसी भी भारतीय कंपनी द्वारा श्रीलंकाई आतिथ्य क्षेत्र में सबसे बड़े निवेश (करीब 3,000 करोड़ रुपये) में से एक है।

दुबई में तबाही वाली बारिश के लिए क्लाउड सीडिंग नहीं जिम्मेदार: विशेषज्ञ

- दुबई में जिस तरह बेतहाशा बारिश हुई, उसे लाना इंसान के बस की बात नहीं

दुबई (एजेंसी)। बीते 16 अप्रैल को संयुक्त अरब अमीरात और उसके आस-पास के क्षेत्र में अभूतपूर्व बारिश ने हाहाकार मचा दिया था। अरब प्रायद्वीप के कुछ हिस्सों में उस दिन 24 घंटे में इतनी बारिश हुई ती, जितनी अमूमन 18 महीने में होती है। बारिश ने यूएई के सबसे स्मार्ट शहर दुबई की तस्वीर बिगाड़ कर रख दी थी। दुबई में हर तरफ पानी ही पानी नजर आ रहा था। हालात ये हो गए थे कि दुबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर उड़ानों को रोकना पड़ा। हवाई अड्डा बंदरगाह की तरह हो गया था। कई ?विशेषज्ञ ने इस भारी बारिश के पीछे यूएई में होने वाली क्लाउड सीडिंग को जिम्मेदार ठहराया था लेकिन ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय में जलवायु विज्ञान के प्रोफेसर रिचर्ड वाशिंगटन ऐसा नहीं मानते हैं। उनका कहना है कि दुबई में जिस तरह बेतहाशा बारिश हुई है, उसे लाना इंसान के बस की बात नहीं है। भाषा से उन्होंने बताया ?कि चैट समूह में मौसम-विज्ञानी होने के नाते, मैंने उपग्रह और पूर्वानुमान मॉडल डेटा को देखा। मैंने जो देखा वह एक आदर्श तूफान के अवयव थे। अरब प्रायद्वीप जैसे पुराने रेगिस्तानों को आम तौर पर बहुत शुष्क बनाए रखने वाली चीज़ हवा का लगातार और तीव्र रूप से डूबना है, जो बारिश के लिए आवश्यक चीजों के बिल्कुल उलट है। गर्म महासागरों के निकट के रेगिस्तानों में, वाष्पीकरण प्रचुर मात्रा में होता है। लेकिन उस नमी को ऊपर डूबती हवा ने कैद कर रखा होता है। यह एक कड़ाही की तरह होता है जिसका ढक्कन मजबूती से लगा हुआ है। 16 अप्रैल को कड़ाही से जिस चीज ने ढक्कन हटाया वह असामान्य रूप से दूर दक्षिण में एक बहुत ऊंचाई वाली जेट स्ट्रीम थी। वास्तव में दो जेट स्ट्रीम, उपोष्णकटिबंधीय जेट और ध्रुवीय जेट, जो एकजुट हो गए थे और अपने पीछे आयातित, ठंडी हवा छोड़ गए थे। कड़ाही के ढक्कन के साथ-साथ डूबती हुई हवा भी खत्म हो गई थी। इस बीच उत्तरी उष्णकटिबंधीय हिंद महासागर से नमी भरी हवा का प्रवाह तेजी से बढ़ रहा था और रेगिस्तान में एकत्रित हो रहा था। संयुक्त अरब अमीरात में ओस बिंदु तापमान सामान्य रूप से कांगो बेसिन के वर्षावनों में पाए जाने वाले तापमान के समान था। इन परिस्थितियों में, तूफान बहुत तेजी से विकसित होते हैं। इन्फ्रारेड उपग्रह डेटा से पता चला कि इसका आकार फ्रांस के बराबर था।

अमेरिका ने छिपकर यूक्रेन को दीं लंबी दूरी की मिसाइलें

-1 महीने बाद खुलासा किया; रूस में 300 किमी अंदर तक कर सकती है हमला

वाशिंगटन (एजेंसी)। रूस-यूक्रेन जंग के बीच अमेरिका ने छिपकर यूक्रेन को लंबी दूरी की मिसाइलें दी हैं। अमेरिका रक्षा विभाग पेंटागन ने बताया कि उसने यूक्रेन को एटीएसीएमएस की 12 मिसाइलें दी थीं। अमेरिका मीडिया के मुताबिक, राष्ट्रपति जो बाइडेन ने पहले यूक्रेन को एटीएसीएमएस मिसाइल देने से मना कर दिया था। बाद में फरवरी के महीने में अमेरिकी राष्ट्रपति ने मिसाइल देने की मंजूरी दे दी। हालांकि, तब इसकी जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई। पेंटागन के प्रवक्ता लेफ्टिनेंट कर्नल गैरन गार्न ने बताया कि यूक्रेन की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए इसकी जानकारी छिपाई गई।

मिसाइल देने के बाद इस डिलीवरी को 12 मार्च के सहायता पैकेज में शामिल कर दिया गया था। अप्रैल महीने की शुरुआत में एटीएसीएमएस मिसाइल यूक्रेन पहुंच गईं। इसकी रेंज 300 किलोमीटर है, यानी अगर जंग में इसका इस्तेमाल होता है तो यह रूस में 300 किमी अंदर तक अटैक कर सकती है।

एक साल में 500 एटीएसीएमएस मिसाइल बन रहीं

मिसाइलें जितनी ताकतवर होती हैं, उन्हें बनाने में उतनी ही मेहनत और समय लगता है। एटीएसीएमएस को बनाने वाली कंपनी लॉकहीड मार्टिन एक साल में 500 मिसाइलों का प्रोडक्शन करती है। यूक्रेन को मिसाइल देने से पहले अमेरिका ने कंपनी से ज्यादा से ज्यादा मिसाइलें खरीदीं, ताकी अमेरिका के जखीरे में इनकी कमी न हो। दरअसल, अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक रूस ने इस साल की शुरुआत में उत्तर कोरिया से बैलिस्टिक मिसाइल खरीदी थी और मार्च में इससे यूक्रेन के रिहाइशी इलाकों पर हमला किया। इसके बाद ही बाइडेन ने यूक्रेन को लंबी दूरी की मिसाइल देने पर सहमति जताई। पेंटागन ने बताया कि अमेरिका ने एटीएसीएमएस मिसाइल देते समय सभी नियमों का पालन किया है। वहीं बाइडेन ने बुधवार को यूक्रेन को 5 लाख करोड़ रुपए के सहायता पैकेज से जुड़े बिल पर साइन किया। पेंटागन के मुताबिक, इस पैकेज में भी यूक्रेन को एटीएसीएमएस मिसाइलें देने की बात कही गई है। इससे पहले अमेरिका ने पिछले साल नवंबर में यूक्रेन को कम दूरी वाली एटीएसीएमएस मिसाइल दी थी। इसकी रेंज 160 किमी थी।

तीसरे साल में रूस-यूक्रेन युद्ध

रूस और यूक्रेन का युद्ध अपने तीसरे साल में पहुंच गया है। यूक्रेन के हथियार और सैनिक दिन पर दिन कम होते जा रहे हैं। यूक्रेन-रूस जंग में अब तक 50 हजार से ज्यादा रूसी सैनिकों की मौत हुई है। वहीं यूक्रेन ने जंग के दूसरे साल में 27 हजार 300 रूसी सैनिकों को गंवाया है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि मरने वालों का आंकड़ा बढ़ा हो सकता है। इससे पहले फरवरी में राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की भी यूक्रेनी सैनिकों की मौत का आंकड़ा बता

चुके हैं। जेलेंस्की के मुताबिक युद्ध में अब तक सिर्फ 31 हजार यूक्रेनी सैनिकों ने जान गंवाई है। हालांकि अमेरिकी खुफिया जानकारी के मुताबिक यूक्रेन के 70 हजार से ज्यादा सैनिकों की मौत हुई हैं।

मोदी-राहुल के चुनावी भाषणों पर नोटिस

- भाजपा-कांग्रेस पार्टी के अध्यक्षों से 29 अप्रैल तक जवाब मांगा

नई दिल्ली (ईएमएस)। चुनाव आयोग ने गुरुवार को पीएम नरेंद्र मोदी और राहुल गांधी के भाषणों पर नोटिस जारी किया। यह नोटिस आचार संहिता के उल्लंघन की शिकायतों पर जनप्रतिनिधि कानून के सेक्शन 77 के तहत इश्यू किया गया है। आयोग ने भाजपा अध्यक्ष नड्डा और कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे से 29 अप्रैल सुबह 11 बजे तक जवाब मांगा है। चुनाव आयोग को पीएम मोदी और राहुल गांधी के भाषण में आचार संहिता के उल्लंघन की शिकायत की गई थी। शिकायत में कहा गया कि ये लीडर्स धर्म, जाति, समुदाय और भाषा के आधार पर लोगों को बांटने और नफरत फैलाने का काम कर रहे हैं।

आयोग ने दोनों पार्टियों के अध्यक्षों को जिम्मेदार माना

ये शिकायतें मिलने के बाद इलेक्शन कमीशन ने भाजपा और कांग्रेस पार्टियों के अध्यक्षों को नोटिस भेजा। आयोग ने स्टार प्रचारकों की फौज उतारने के लिए पहली नजर में पार्टी अध्यक्षों को ही जिम्मेदार ठहराया है। आयोग ने कहा कि अपने प्रत्याशियों के कामों के लिए राजनीतिक दलों को ही पहली जिम्मेदारी उठानी चाहिए, खासतौर पर स्टार कैंपेनर्स के मामले में। ऊंचे पद पर बैठे लोगों के चुनावी भाषणों का असर ज्यादा गंभीर होता है।

संदेशखाली केस में पहली एफआईआर दर्ज

कोलकाता । कलकत्ता हाईकोर्ट के आदेश के बाद केंद्रीय जांच ब्यूरो ने पश्चिम बंगाल के संदेशखली में जमीन हड़पने और महिलाओं के खिलाफ अपराध (यौन शोषण) से केस में पहली एफआईआर दर्ज की है। इसमें 5 मुख्य आरोपियों के नाम शामिल हैं। हालांकि ये आरोपी कौन हैं, ये सामने नहीं आया है, लेकिन कहा जा रहा है कि ये प्रभावशाली लोग हैं। कलकत्ता हाईकोर्ट ने 10 अप्रैल को संदेशखाली मामले की जांच सीबीआई को सौंप दी थी। अपने आदेश में कहा कि सीबीआई कोर्ट की निगरानी में जांच करेगी और रिपोर्ट सौंपेगी। मामले की अगली सुनवाई 2 मई को होगी। संदेशखाली की महिलाओं ने 8 फरवरी को तृणमूल कांग्रेस के नेताओं पर यौन उत्पीड़न और जबरन जमीन कब्जाने का आरोप लगाया था। मामले में 3 आरोपी शाहजहां शेख, शिबू हाजरा और उत्तम सरदार हिरासत में हैं।

अरुणाचल प्रदेश में लैंड स्लाइड

ईटानगर । अरुणाचल प्रदेश के दिबांग वैली में लैंड स्लाइड के चलते नेशनल हाईवे-313 का बड़ा हिस्सा ढह गया है। चीन सीमा से लगे दिबांग वैली जिले का संपर्क पूरे देश से कट गया। दिबांग वैली जिला प्रशासन के मुताबिक बुधवार को हाईवे पर लैंडस्लाइड हुई। अधिकारियों के मुताबिक, लैंड स्लाइड में ढहे हिस्से के कंस्ट्रक्शन में कम से कम 3 दिन लगेंगे। कई दिनों से दिबांग वैली में जारी बारिश जारी की वजह से लैंड स्लाइड। दिबांग वैली को पूरे देश से नेशनल हाईवे 313 जोड़ता है। अधिकारियों के मुताबिक, दिबांग वैली में पिछले कई दिनों से भारी बारिश हो रही है। हुनली और अनीनि के बीच हाईवे 313 का काफी बड़ा हिस्सा लैंड स्लाइड में ढह गया है। हाई-वे की मरम्मत के लिए टीम भेजी गई है।

ईडी का सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा, केजरीवाल की गिरफ्तारी सही

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) में दिल्ली शराब नीति केस में दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के खिलाफ याचिका का विरोध किया है। सुप्रीम कोर्ट में दायर हलफनामे में ईडी ने कहा कि कई बार समन भेजे जाने के बावजूद उन्होंने एजेंसी के साथ सहयोग नहीं किया। ईडी ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि नौ बार समन मिलने के बावजूद केजरीवाल पूछताछ से बच रहे थे। उनके इसी रवैए से जांच अधिकारी को गिरफ्तारी की वजह मिली है। साथ ही जांच अधिकारी के पास मौजूद चीजों ने भी यह साबित करने में मदद की है कि वे दोषी हैं। ईडी ने यह भी कहा कि केजरीवाल को किसी दुर्भावना या दूसरे कारणों से गिरफ्तार नहीं किया गया है। किसी अपराध की जांच एक ऐसा क्षेत्र है जो जांच एजेंसी के लिए रिजर्व है। उनकी गिरफ्तारी भी जांच का हिस्सा है। सुप्रीम कोर्ट ने 15 अप्रैल को अरविंद की याचिका पर सुनवाई करते हुए शराब घोटाले में मनी लॉन्ड्रिंग केस में ईडी से 24 अप्रैल तक जवाब मांगा था। ईडी ने केजरीवाल को 21 मार्च को गिरफ्तार किया था। वे फिलहाल दिल्ली की तिहाड़ जेल में हैं।

देशभर में सौ से ज्यादा वारदातों को अंजाम देने वाले चोर को ढूंढ रही थी छह राज्यों की पुलिस, कल्याण पुलिस ने किया गिरफ्तार

कल्याण। छह राज्यों की पुलिस उस शातिर चोर की तलाश कर रही थी, जिस पर देशभर में चोरी के 100 से ज्यादा मामले दर्ज थे। इस बीच वह चोर गुजरात पुलिस के चंगुल से भाग निकला और मुंबई से सटे कल्याण की कोलशेवाड़ी पुलिस ने उसे धर दबोचा। अब उसे गुजरात पुलिस को सौंप दिया गया है. गिरफ्तार चोर नाम राम विलास उर्फ रामा गुप्ता है. बताया गया है कि गुजरात पुलिस आरोपी राम विलास गुप्ता को बीते 10 अप्रैल को ठाणे में जांच के लिए उसे ठाणे शहर में लेकर आई थी. इसी दौरान राम विलास गुजरात पुलिस को चकमा देकर उसके चंगुल से भाग निकला। एक पुलिस अधिकारी के अनुसार राम विलास एक कुख्यात चोर है. उत्तर प्रदेश का रहने वाला राम विलास गुप्ता देशभर में चोरी की वारदातों को अंजाम दे चुका है. राम विलास पर सौ से ज्यादा मामले दर्ज हैं. वह महाराष्ट्र, कर्नाटक, तेलंगाना, गुजरात, दिल्ली तथा आंध्र प्रदेश में कई अपराधों में फरार है। चूंकि यह शातिर चोर पुलिस हिरासत से भाग गया था, इसलिए पुलिस की कई टीमें उसे ढूंढने में लगी हुई थी। कल्याण के कोलसेवाड़ी पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक अशोक कदम को थाने के एक पुलिस अधिकारी दिनकर पगारे ने राम विलास के बारे में जानकारी दी। कल्याण के पुलिस उपायुक्त सचिन गुंजाल, एसीपी कल्याणजी घेटे, वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक अशोक कदम के मार्गदर्शन में पुलिस अधिकारी दिनकर पगारे की पुलिस टीम एक गुप्त जानकारी के आधार पर कल्याण से सटे म्हारल इलाके में एक ढाबे पर पहुंची जहाँ राम विलास बैठा था. पुलिस ने उसे वहां से हिरासत में ले लिया. इसके बाद उसे गुजरात पुलिस के हवाले कर दिया गया.

तिहाड़ जेल में दो गुट आपस में भिड़े, चार कैदी घायल

नई दिल्ली। देश की जानी मानी तिहाड़ जेल में संदिग्ध गैंगवार और जेल में वर्चस्व की लड़ाई को लेकर जेल नंबर 3 के अंदर कैदियों के दो समूह आपस में भिड़ गए। इसमें चार कैदियों के घायल होने की खबर है। एक अधिकारी ने बताया कि घटना बुधवार सुबह की है। पुलिस ने घटना के संबंध में संबंधित धाराओं के तहत दोनों कैदियों समूह के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस ने बताया कि शुरुआती जांच में पता चला है कि घायल अलग-अलग समूहों से थे। हमले का कारण जेल में अपना दबदबा स्थापित करना था। अधिकारी ने कहा कि घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया और बाद में प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई।

राजस्थान में 73 हजार, 799 बुजुर्ग और दिव्यांग मतदाताओं ने घर से मतदान किया

जयपुर । राजस्थान में लोकसभा चुनाव में 73 हजार 799 बुजुर्ग और दिव्यांग मतदाताओं ने घर से मतदान किया है। राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने बताया कि दूसरे चरण के लिए 38 हजार 274 इसजरह के मतदाताओं ने घर से ही अपने मताधिकार का उपयोग किया। जबकि प्रथम चरण के तहत 35 हजार 525 मतदाताओं ने घर से मतदान किया। श्री गुप्ता ने बताया कि आम चुनाव-2024 में 85 वर्ष से अधिक उम्र के वरिष्ठ मतदाता तथा 40 प्रतिशत से अधिक दिव्यांग वाले मतदाताओं ने निर्वाचन आयोग की पहल पर पहली बार घर से ही उत्साहपूर्वक मतदान किया। उन्होंने बताया कि इस विकल्प के तहत सभी 25 लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों में अब तक 73 हजार 799 मतदाताओं ने मतदान किया। इसमें 56 हजार 691 बुजुर्ग तथा 17 हजार 108 दिव्यांग मतदाता शामिल हैं। इस दौरान 1062 मतदाताओं की मृत्यु होने और 1207 मतदाताओं के अनुपस्थित होने की वजह से उनका मतदान नहीं हो सका।

श्री गुप्ता ने बताया कि द्वितीय चरण के 13 लोकसभा क्षेत्रों में होम वोटिंग के लिए पंजीकृत मतदाताओं में से 98 प्रतिशत से अधिक ने मतदान किया है। अब तक कुल 38 हजार 274 मतदाताओं ने घर से मतदान किया है। उन्होंने बताया कि प्रथम चरण के 12 लोकसभा क्षेत्रों में 35 हजार 525 मतदाताओं ने घर से मतदान किया। इसमें 26 हजार 569 बुजुर्ग, जबकि 8956 दिव्यांग मतदाता है। 418 मतदाताओं की मृत्यु हुई और 614 मतदाता घर पर नहीं मिले।

दिल्ली में शुक्रवार नहीं होगा मेयर इलेक्शन? 'आप' का आरोप- एलजी ने रद्द किया चुनाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी (आप) ने गुरुवार को दावा किया कि उपराज्यपाल कार्यालय ने दिल्ली नगर निगम के मेयर चुनाव को ÷रद्द÷ कर दिया है। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के मेयर पद के लिए चुनाव 26 अप्रैल को होने हैं। हालांकि, मेयर चुनाव रद्द करने को लेकर आप द्वारा लगाए गए आरोपों पर उपराज्यपाल कार्यालय की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए आप एमसीडी प्रभारी दुर्गेश पाठक ने दावा किया कि पहली बार ऐसा हुआ है कि चुनाव आयोग की अनुमति के बावजूद बीजेपी ने चुनाव रद्द कर दिया है।

दुर्गेश पाठक ने कहा कि चुनाव आयोग से इजाजत होने के बावजूद बीजेपी ने यह चुनाव रद्द करवा दिया। एलजी कार्यालय ने यह कहते हुए चुनाव रद्द कर दिया कि वह मुख्यमंत्री की सलाह पर काम करते हैं। ऐसे पहले भी उदाहरण हैं जब उन्होंने मुख्यमंत्री की सहायता और सलाह का पालन नहीं किया है। आम आदमी पार्टी ने आरोप लगाया कि पीठासीन अधिकारी से संबंधित फाइल को जानबूझकर लोक निर्माण मंत्री सौरभ भारद्वाज के बजाय मुख्यमंत्री कार्यालय भेजा गया, जैसा कि किया जाना चाहिए था। उन्होंने कहा, ÷अगर यह फाइल पीडब्ल्यूडी मंत्री के पास जाती तो वह पीठासीन अधिकारी को सलाह देते। ऐसा न करके सरकार पर चुनी हुई सरकार को नजरअंदाज करने का भी आरोप लगा।÷

दरअसल, मेयर के चुनाव के लिए एलजी सीएम की सलाह पर एक पीठासीन अधिकारी की नियुक्ति करते हैं, जो मेयर का चुनाव कराता है। लेकिन दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल जेल में हैं और वह जेल से एलजी को पीठासीन अधिकारी के लिए सलाह नहीं दे सकते। पीठासीन अधिकारी नियुक्त करने के लिए दिल्ली के मुख्य सचिव ने फाइल आगे बढ़ाई थी। यह फाइल सीएम कार्यालय भेजी गई थी। सीएम की अनुपस्थिति के कारण यह फाइल वापस दिल्ली के मुख्य सचिव के पास आ गयी। जिसे मुख्य सचिव ने एलजी को भेज दिया।

आप ने मेयर पद के लिए महेश खिची को नामांकित किया है, जबकि रविंदर भारद्वाज डिप्टी मेयर पद के लिए चुनाव लड़ेंगे। 45 वर्षीय खिची वर्तमान में एमसीडी हाउस में देव नगर वार्ड नंबर 84 के प्रतिनिधि के रूप में कार्यरत हैं और 2012 में इसकी स्थापना के बाद से आप से जुड़े हुए हैं। वह 2011 के इंडिया अगेंस्ट करप्शन (आईएसी) आंदोलन में भी सक्रिय रूप से शामिल रहे हैं। , जिसने अंततः अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में क्के गठन का मार्ग प्रशस्त किया।

आप ने लोगों से की अपील,कहा जेल का जवाब वोट से दे जनता

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) के वरिष्ठ नेता एवं कैबिनेट मंत्री सौरभ भारद्वाज ने गुरुवार को दिल्ली की जनता सेजेल का जवाब वोट से देने की अपील की।

भारद्वाज और नयी दिल्ली लोकसभा सीट से प्रत्याशी सोमनाथ भारती ने कार्यकर्ताओं के साथ मेट्रो स्टेशन पर आने-जाने वाले लोगों में पंपलेट बांटा और उनसे आगामी 25 मई को होने वाले मतदान में अपने वोट का इस्तेमाल देश से तानाशाही सरकार को हटाने के लिए करने की अपील की। भारद्वाज ने कहा कि अपने लोकप्रिय मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को जेल भेजे जाने से दिल्ली की जनता बहुत दुखी है। लोगों ने तय किया है कि वे अपनी वोट की ताकत से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को इसका जवाब देंगे। उन्होंने कहा, एक महीने बाद दिल्ली के अंदर लोकसभा का चुनाव है। दिल्ली के लोगों तक अपनी बात पहुंचाने के लिए आप अलग-अलग तरीकों का इस्तेमाल कर रही है। आज हम लोग नयी दिल्ली लोकसभा सीट से के प्रत्याशी के साथ मेट्रो स्टेशनों पर पंपलेट बांट रहे हैं और लोगों से जेल का जवाब वोट से देने की अपील कर रहे हैं। आप नेता ने कहा, आज दिल्ली के लोग इस बात से बहुत दुखी है कि उनके सबसे लोकप्रिय मुख्यमंत्री को जेल में डाला गया है। दिल्ली के लोग इसका जवाब भाजपा और केंद्र सरकार को देना चाहते हैं। आप और दिल्ली की जनता ने यह तय किया है कि हम लोग जेल का जवाब वोट सेदेंगे। हम अपने वोट की ताकत से भाजपा को बताएंगे कि जो उन्होंने जो किया वह गलत किया है।

कांग्रेस मैनिफेस्टो समझाने के लिए खड़गे ने मांगा पीएम से समय,

बोले- सांप्रदायिक विभाजन पैदा करना बन गई है आपकी आदत

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर सबसे पुरानी पार्टी के 'न्याय पत्र' को समझाने के लिए उनका समय मांगा। कांग्रेस के घोषणापत्र का बचाव करते हुए, खड़गे ने कहा कि 'न्याय पत्र' का उद्देश्य युवाओं, महिलाओं, किसानों, मजदूरों और सभी जातियों और समुदायों के हाशिए पर रहने वाले लोगों को न्याय प्रदान करना है। खड़गे ने लिखा कि आपके सलाहकार आपको उन चीजों के बारे में गलत जानकारी दे रहे हैं जो हमारे घोषणापत्र में भी नहीं लिखी गई हैं। मुझे आपसे व्यक्तिगत रूप से मिलकर हमारे 'न्याय पत्र' के बारे में समझाने में बहुत खुशी होगी ताकि देश के प्रधान मंत्री के रूप में आप कोई भी गलत बयान न दें।

कांग्रेस प्रमुख ने कहा, 'संदर्भ से हटकर कुछ शब्दों को पकड़ना, सांप्रदायिक विभाजन पैदा करना आपकी आदत बन गई है।' मोदी के हालिया भाषणों का जिक्र करते हुए कांग्रेस नेता ने कहा कि वह 'प्रधानमंत्री द्वारा इस्तेमाल की गई भाषा से न तो हैरान हैं और न ही हैरान हैं।' उन्होंने कहा कि उम्मीद थी कि चुनाव के पहले चरण में बीजेपी का निराशाजनक प्रदर्शन देखने के बाद आप और आपकी पार्टी के अन्य नेता इस तरह की बातें करना शुरू करेंगे। कांग्रेस

वंचित गरीबों और उनके अधिकारों ('न्याय') की बात करती रही है। हम जानते हैं कि आपको और आपकी सरकार को गरीबों और वंचितों की कोई चिंता नहीं है।

प्रधान मंत्री पर अपना हमला जारी रखते हुए, खड़गे ने कहा, 'आपकी 'सूट-बूट की सरकार' उन कॉरपोरेट्स के लिए काम करती है जिनके करों को आपने कम कर दिया है जबकि वेतनभोगी वर्ग उच्च करों का भुगतान करता है। गरीब भोजन और नमक पर भी जीएसटी का भुगतान करते हैं और अमीर कॉरपोरेट दावा करते हैं जीएसटी रिफंड। इसीलिए, जब हम अमीर और गरीब के बीच असमानता की बात करते हैं, तो आप जानबूझकर इसे हिंदू और मुस्लिम के साथ जोड़ रहे हैं।' खड़गे का जवाब हाल के चुनावी भाषणों में प्रधानमंत्रियों द्वारा किए गए सिलसिलेवार हमलों के बाद आया है। कांग्रेस के घोषणापत्र को 'मुस्लिम लीग की छाप' कहने से लेकर सबसे पुरानी पार्टी पर 'संपत्ति के पुनर्वितरण' की साजिश रचने का आरोप लगाने तक, मोदी ने अपनी रैलियों में प्रमुख विपक्षी दल पर हमला करने में कोई शब्द नहीं छोड़ा है।

फोन टैपिंग मामला अब भजनलाल सरकार के पाले में

-सरकार और एजेंसियों जांच कर दोषियों पर करें कार्रवाई : पूनिया

जयपुर (एजेंसी)। लोकेश शर्मा के फोन टैपिंगकांड के खुलासे के बाद इस मामले की बॉल अब भजनलाल सरकार के पाले में चली गई है। अब सवाल खड़ा हो गया है कि जो आरोप पूर्व सीएम अशोक गहलोत के ओएसडी रहे लोकेश शर्मा ने लगाए हैं क्या भजनलाल सरकार उन तथ्यों की जांच करवाएगी? लोकेश द्वारा लगाए इन आरोपों से यह साफ होता है कि गहलोत सरकार को गिराने की साजिश में बीजेपी या उनके नेताओं की कोई भूमिका नहीं थी। लोकेश के खुलासे के बाद इस मामले में बीजेपी के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनिया ने कहा है कि भजनलाल सरकार और जांच एजेंसियों को इन तथ्यों की जांच करनी चाहिए और जो भी दोषी हो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई करनी चाहिए।

लोकेश शर्मा ने जो खुलासे किए हैं उनके मुताबिक अशोक गहलोत ने ही उन्हें पेन ड्राइव में रिकॉर्डिंग मीडिया में वायरल करने को दी थी। एक ऑडियो रिकॉर्डिंग में विधायकों के खरीद-फरोख्त की बात कही गई थी। लोकेश शर्मा ने कहा कि मानेसर बाड़ेबंदी में सचिन पायलट व उनके सहयोगी, गहलोत सरकार के मंत्रियों व अन्य विधायकों के फोन सर्विलांस पर थे। अशोक गहलोत यह साजिश रच रहे थे कि पायलट गुट के लिए सचिन पायलट और उनके गुट को बदनाम किया जाए ताकि उनकी कुर्सी बची रहे। लोकेश शर्मा ने यह भी कहा कि उस वक्त डीजीपी, गृहविभाग के अफसरों को फोन टैपिंगकांड की जानकारी थी। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत की छवि खराब करने के लिए सीएमआर में साजिशें होती रही। संजीवनी से जुड़े लोगों को सीएम हाउस बुलाया और उनकी वीडियो रिकॉर्डिंग की गई। रीट पेपर लीक करवाने वाले राजनीतिक लोगों के खिलाफ कोई कार्रवाई क्यों नहीं की गई? उन्होंने कोरोनाकाल में मेडिकल उपकरणों, दवाइयों की खरीद-फरोख्त में और महिलाओं को फ्री मोबाइल देने में भ्रष्टाचार के आरोप लगाए हैं। लोकेश शर्मा ने जो तथ्य पेश किए हैं, उनकी जांच करवाने की जिम्मेदारी अब भजनलाल सरकार की है। बीजेपी के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनिया ने भी कहा है कि मैं सरकार का हिस्सा नहीं हूं, लेकिन उस वक्त बीजेपी और हम पर सरकार गिराने की साजिश रचने के पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने आरोप लगाए थे।

लालू के दामाद का टिकट काटकर... कन्नौज सीट से उतरे अखिलेश

-बीजेपी ने नकारात्मक राजनीति की

कन्नौज (एजेंसी)। शुक्रवार को होने वाले दूसरे चरण के मतदान से पहले, समाजवादी पार्टी (सपा) प्रमुख और पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने कन्नौज सीट से अपना नामांकन दाखिल किया। सपा प्रमुख, (जिन्होंने 2000 और बाद में 2004 और 2009 में इस सीट का प्रतिनिधित्व किया था) ने राम गोपाल यादव सहित पार्टी नेताओं की उपस्थिति में नामांकन दाखिल किया। नामांकन के बाद रामगोपाल यादव ने कहा कि सपा भारी अंतर से सीट जीतेगी। उन्होंने कहा, भाजपा उम्मीदवार इस सीट पर अपनी जमानत जब्त कर सकते हैं। गौरतलब है कि सपा द्वारा पूर्व मैनपुरी सांसद तेज प्रताप सिंह यादव को अपने उम्मीदवार के रूप में दाखिल करने के अपने पहले के फैसले को पूरी तरह से उलटने का प्रतीक है। अखिलेश ने कहा कि मैंने अपना नामांकन पत्र दाखिल कर दिया है। उन्होंने कहा कि पार्टी, नेताओं, कार्यकर्ताओं और सभी की भावना थी कि मैं कन्नौज से चुनाव लड़ूं। मैं सभी का आभार व्यक्त करता हूं। मुझे उम्मीद है कि मुझे यहां से आशीर्वाद मिलेगा। अखिलेश ने कहा कि विकास जानबूझकर भाजपा सरकार ने रोका, क्योंकि इसकी शुरुआत समाजवादी ने की थी। बीजेपी ने नकारात्मक राजनीति की है। बीजेपी ने बार-बार लोगों का अपमान किया है...मैं पहले भी कन्नौज के लोगों की सेवा करने आया था। कन्नौज की जनता ने विकास होते देखा है। भाजपा सांसद ने कहा कि लोकतंत्र में चुनाव सबसे बड़ा त्यौहार है।

रामलला के दर्शन कर नामांकन करेंगे राहुल और प्रियंका!

लखनऊ (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव के बीच कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और वायनाड से सांसद राहुल गांधी एवं कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा यूपी से चुनावी मैदान में उतरेंगे या नहीं, इस रहस्य से जल्द पर्दा उठने वाला है। सूत्र बताते हैं कि अयोध्या के राम मंदिर में रामलला के दर्शन करने के बाद राहुल गांधी अमेठी से तो प्रियंका गांधी रायबरेली से नामांकन दाखिल कर सकती हैं। दावा किया जा रहा है कि कल 26 अप्रैल को केरल स्थित वायनाड लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र में मतदान संपन्न होने के बाद गांधी परिवार अमेठी लोकसभा सीट और रायबरेली लोकसभा क्षेत्र का रुख करेगा।

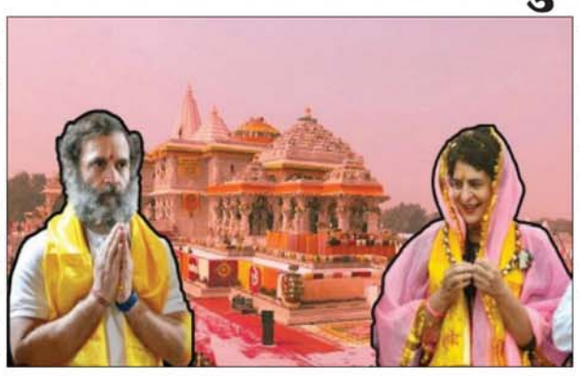

सूत्रों का कहना है कि 30 अप्रैल के पहले इस मामले पर पर कोई औपचारिक ऐलान नहीं होगा। कांग्रेस हाईकमान समेत पार्टी के कई नेता रायबरेली और अमेठी में प्रत्याशी के मुद्दे पर चुप हैं। खुद राहुल गांधी भी अमेठी से चुनाव लड़ने के सवाल पर यह बोल चुके हैं कि यह फैसला भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष के मल्लिकार्जुन खरगे और केंद्रीय चुनाव समिति करेगी। उन्होंने बीते दिनों कहा था कि मैं कांग्रेस का सिपाही हूं और मुझे जो आदेश दिया जाएगा, मैं उसका पालन करूंगा। वहीं यह भी कहा जा रहा है कि अगर अमेठी और रायबरेली से क्रमशः राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा चुनाव लड़ने का फैसला करते हैं तो एक से तीन मई के बीच दोनों नेता अपनी-अपनी सीट पर नामांकन करेंगे। दोनों ही निर्वाचन क्षेत्रों में तीन मई को नामांकन का आखिरी दिन है। दोनों लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों में 5वें चरण के तहत 20 मई को मतदान होगा। इससे पहले कांग्रेस के कम्यूनिकेशन सेल के प्रभारी जयराम रमेश समेत कई अन्य नेता इस आशय के संकेत दे चुके हैं कि राहुल और प्रियंका लोकसभा चुनाव लड़ेंगे। बीते दिनों अमेठी स्थित उस घर में साफ सफाई और पेंटिंग की तस्वीरें भी सामने आईं थीं जिसमें राहुल रहते हैं।

बताया गया है कि राहुल गांधी 27 अप्रैल को अमेठी पहुंच सकते हैं। राहुल गांधी अमेठी से नामांकन कर सकते हैं। वायनायड में मतदान के बाद राहुल गांधी अमेठी जा सकते हैं। यहां से कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के सामने सीपीआई की नेशनल फेडरेशन ऑफ इंडियन वूमेन की महासचिव और पार्टी के महासचिव डी राजा की पत्नी एनी राजा से उनका मुकाबला है। 2019 में राहुल गांधी ने वायनाड सीट से चार लाख वोटों के अंतर से जीत हासिल की थी। हालांकि अमेठी सीट से हार गए थे।

पैसों की किल्लत से दो चार हो रही अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा

-इसरो के लिए सरकार ने खोल दिया खजाना

नई दिल्ली (एजेंसी)। चंद्रयान-3 मिशन की सफलता के बाद भारतीय स्पेस एजेंसी इसरो का डंका पूरी दुनिया में बज रहा है। अगले कुछ साल में इसरो की योजना मंगलयान-2 और शुक्र मिशन जैसे प्रोग्रामों को अंजाम तक पहुंचाने की है। इसरो के लिए मोदी सरकार के पास फंड की कोई कमी नहीं है। इसके उलट अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा फंड की किल्लत से रूबरू है। न सिर्फ नासा का बजट घटता जा रहा है। दुनिया की सबसे बड़ी स्पेस एजेंसी पर ऐसी कंगाली क्यों आई है? यह समझने की कोशिश करते हैं।

अक्टूबर 1957 में सोवियत संघ ने पूरी दुनिया को चौंका दिया था। तब उसने पहली आर्टिफिशियल सैटेलाइट स्पुतनिक लांच की थी। इस घटना ने अमेरिका को अपने अंतरिक्ष प्रोग्राम को आगे बढ़ाने के लिए हवा दी। वह किसी प्रतिद्वंद्वी महाशक्ति से पीछे नहीं रहना चाहता था। लिहाजा, अमेरिकी सरकार ने अपने अंतरिक्ष कार्यक्रम में संसाधन झोंककर नासा का गठन किया।

हालांकि, प्रतिस्पर्धा की वह भावना खत्म होती दिख रही है। इसका संकेत नासा की बजट कटौती को देखकर लगता है। नासा ने वित?त वर्ष 2024 (अक्टूबर 2023-सितंबर 2024) में अपने सभी मिशन, स?पेस एक?सप?लोरेशन और ऑपरेशन के लिए लगभग 27 अरब डॉलर का अनुरोध किया था। लेकिन, इसके मुकाबले नासा को लगभग 9 प्रतिशत कम रकम मिली। पिछले वर्ष की तुलना में यह 2 प्रतिशत कम थी। अब वित्त वर्ष 2025 के लिए नासा ने जो बजट अनुरोध रखा है, वह पिछले साल की मांग से 2 अरब डॉलर कम है।

दरअसल, इसका संबंध अमेरिकी सरकार के कर्ज के बोझ से है। पिछले साल देश डिफॉल्ट के कगार पर था। वह अनावश्यक खर्च को कम कर रहा है। नासा के कार्यक्रमों को उसी का हिस्सा माना जाता है। यह दिखाता है कि 1960 के दशक के बाद से समय बदल गया है।

उस समय अमेरिका चंद्रमा की दौड़ जीतने और सोवियत संघ को हराने के लिए बेचैन था। तब नासा पर पैसा लुटाने में कोई संकोच नहीं किया। 1965 में अपने चरम पर नासा की फंडिंग कुल अमेरिकी सरकारी खर्च का लगभग 5 प्रतिशत थी। उन सभी संसाधनों का उपयोग करके नासा अपोलो बनाने में सक्षम था। यह चंद्रमा पर पहले मनुष्यों को उतारने वाला अंतरिक्ष मिशन था।

यह कार्यक्रम इतना महत्वपूर्ण था कि अंतरिक्ष कार्यक्रमों के लिए प्रत्येक 5 डॉलर में से 3 डॉलर अपोलो मिशन में जाते थे। नासा ने इस पर 25 अरब डॉलर से अधिक खर्च किए। महंगाई की दर को एडज?स?ट कर दिया जाए, तब आज के मूल्य में यह रकम 283 अरब डॉलर बैठती है।

हालांकि, 1969 में जैसे ही अमेरिका ने चंद्रमा पर कदम रखा, फंडिंग भी बंद होने लगी। अमेरिका को लगा कि सोवियत संघ को हरा दिया है। अपोलो मिशन ने अमेरिकियों को बांट दिया। नागरिकों के एक वर्ग को यह भी लगा कि

सरकार उन लाखों अमेरिकियों की मदद करने में बेहतर पैसा खर्च कर सकती थी जो बुनियादी जरूरतें नहीं पूरी कर सकते थे। इसी के चलते नासा के लॉन्चपैड के बाहर लोगों ने विरोध प्रदर्शन भी किया। इन सबके साथ सरकार ने आगे के मिशनों को ठंडे बस्ते में डाल दिया। नासा की फंडिंग धीरे-धीरे नीचे की ओर जाने लगी।

बेशक, अमेरिका में अभी भी दुनिया में सबसे अधिक अंतरिक्ष खर्च हैं। लेकिन, नासा को बजट आवंटन से 0.4 प्रतिशत से भी कम मिलता है। नासा को यह पसंद नहीं है।

इंश्योरेंस कराते समय गाड़ी के इंजन टाइप का ध्यान रखना जरूरी

-ऐसे प्लान लें जो आपकी पूरी गाड़ी को कवर कर सके

नई दिल्ली। इंश्योरेंस पॉलिसी खरीदते समय कोई छोटी सी भी गलती हो जाए तो क्लेम लेने में मुश्किल आ जाती है। ऐसे में आपको ऑटो इंश्योरेंस को समझना बहुत जरूरी है जिससे कि आपको इंश्योरेंस का क्लेम लेने में किसी समस्या का सामना न करना पड़े। ऑटो इंश्योरेंस कराते समय आपको गाड़ी के इंजन टाइप पर पूरा ध्यान रखना चाहिए कि वह पेट्रोल, डीजल या ईवी है। अगर आपकी ईवी या फिर हाइब्रिड है तो आपको ये जरूर जांचना चाहिए कि इंश्योरेंस में चार्जिंग केबल, कनैक्टर्स, एडाप्टर आदि भी कवर होना चहिए। इसमें आग लगना और चोरी जरूर शामिल होनी चाहिए। कवरेज का भी इंश्योरेंस में काफी महत्व होता है। ऐसे में आपको हमेशा ऐसे प्लान लेना चाहिए जो आपकी पूरी गाड़ी को कवर कर सके। आपको हमेशा कॉम्प्रीहेंसिव कवरेज प्लान चुनना चाहिए। इसमें ज्यादा कवरेज मिलता है। वहीं, अगर आप थर्ड पार्टी कवरेज लेते हैं तो इसमें गाड़ी कवर नहीं होती है। ऑटो इंश्योरेंस में आपको इंश्योरेंस डिक्लेयर्ड वैल्यू (आईडीवी) का खास ध्यान रखना होता है। आपको उन्हीं इंश्योरेंस को प्राथमिकता देनी चाहिए, जो आपको अधिकतम आईडीवी वैल्यू देते हैं। आईडीवी वह वैल्यू होती है, जिस पर कंपनियां आपको क्लेम देती है।

इंश्योरेंस में ऐड ऑन कवरेज जैसे ब्रेकडाउन एसिसटेंस, टायर प्रोटेक्शन, इंजन और गेयरबॉक्स प्रोटेक्शन जैसे प्लान को शामिल करना चाहिए। आपको ऐसी कंपनी का चुनाव करना चहिए, जिसका क्लेम सेटेलमेंट रेश्यो सबसे अधिक है। आपको क्लेम प्रोसेस के बारे में भी जानकारी होनी चाहिए और ऐसे इंश्योरेंस का चुनाव करना चाहिए जो सेल्फ इंस्पेक्शन क्लेम की सुविधा देता हो।आज के समय आपको ज्यादातर कंपनियों की ओर से कैशलैस गैराज की सुविधा दी जाती है। इसका फायदा यह है कि अगर गाड़ी को कोई नुकसान होता है तो गैराज में बिना पैसे दिए गाड़ी को रिपेयर करवा सकते हैं।

एचयूएल का मुनाफा 1.6 फीसदी घटा

नई दिल्ली ।

देश की प्रमुख एफएमसीजी कंपनी हिंदुस्तान यूनिलीवर (एचयूएल) के वित्त वर्ष 2024 की चौथी तिमाही के मुनाफे में गिरावट आई है ले किन यह बाजार की उम्मीद से थोड़ा बेहतर रहा है। वित्त वर्ष 2024 की जनवरी-मार्च तिमाही में कंपनी का मुनाफा 1.6 फीसदी घटकर 2,558 करोड़ रुपये रहा, जो इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 2,600 करोड़ रुपये था। एचयूएल की आय वित्त वर्ष 2024 की चौथी तिमाही में महज 0.6 फीसदी बढ़कर 15,041 करोड़ रुपये रही, वहीं बिक्री में सालाना आधार पर केवल 2 फीसदी की वृद्धि देखी गई। एक खबर के अनुसार विश्लेषकों ने वित्त वर्ष 2024 की चौथी तिमाही में 2,517.2 करोड़ रुपये मुनाफे और 15,156.7 करोड़ रुपये आय का अनुमान लगाया था। वित्त वर्ष 2024 की तीसरी तिमाही की तुलना में चौथी तिमाही में आय 1.7 फीसदी घटी है जबकि मुनाफा 2 फीसदी बढ़ा है। वित्त वर्ष 2024 की चौथी तिमाही में एचयूएल का कुल खर्च 1.15 फीसदी बढ़कर 12,100 करोड़ रुपये हो गया, जो इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 11,962 करोड़ रुपये था। वित्त वर्ष 2024 की मार्च तिमाही में एचयूएल का सकल मार्जिन 350 आधार अंक सुधरा है और विज्ञापन तथा प्रचार पर कंपनी का खर्च 200 आधार अंक बढ़ा है। एचयूएल के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने एक रुपये के अंकित मूल्य वाले शेयर पर 24 रुपये प्रति शेयर का अंतिम लाभांश देने का प्रस्ताव रखा। इसके लिए साधारण आम बैठक में शेयरधारकों की मंजूरी जरूरी होगी। पूरे वित्त वर्ष 2024 में कंपनी का मुनाफा 10,277 करोड़ रुपये रहा जो वित्त वर्ष 2023 में 10,120 करोड़ रुपये था। कंपनी की कुल आय बीते वित्त वर्ष 62,707 करोड़ रुपये रही जो इससे एक साल साल पहले 2022-23 में 61,092 करोड़ रुपये थी। अे धिकारी ने कहा कि मांग में धीरे सुधार दिख रहा है। हमारा मानना है कि बाजार धीरे-धीरे सामान्य स्थिति में आ जाएगा।

स्मार्टफोन, चार्जर पड सकता है काफी महंगा

-ले रहे इंसानों की जान, मीठे जहर जैसा है इनका असर

नईदिल्ली । कई बार लोग सस्ते के चक्कर में कोई भी स्मार्टफोन, चार्जर या फिर अन्य स्मार्टफोन एसेसरीज खरीद लेते हैं, जिसका उन्हें नुकसान उठाना पड़ सकता है। कई बार इस तरह की आदतों की वजह से लोगों की जान तक जा चुकी है। ऐसे में स्मार्टफोन खरीदते वक्त आपको कुछ बातों का ख्याल रखना चाहिए। हालांकि स्मार्टफोन और सोशल मीडिया की लत से तनाव, चिंता, अवसाद और नींद की कमी जैसी समस्याएं पैदा हो रही हैं। रिपोर्ट की मानें, तो ज्यादा देर तक फोन देखने से आंखों में थकान, सिरदर्द और गर्दन में दर्द हो सकता है। इसके अलावा यूजर्स खराब डिस्प्ले वाला फोन सस्ते के चक्कर में खरीद लेते हैं, जिससे निकलने वाली ब्लू लाइट से नींद न आने की समस्या बढ़ रही है। फोन पर ज्यादा समय बिताने से लोगों के रिश्तों में तनाव और अकेलापन हो सकता है, जिससे सुसाइड जैसी घटनाएं हो रही है। हमेशा किसी अच्छे ब्रांड का फोन लेना चाहिए, क्योंकि खराब बैटरी या चार्जर से फोन में विस्फोट की घटनाएं हो चुकी हैं, जिससे लोगों की जान तक जा चुकी है। हमेशा किसी अच्छे ब्रांड का स्मार्टफोन और चार्जर लेना चाहिए।सोशल मीडिया और फोन इस्तेमाल का वक्त सीमित करना चाहिए।फोन को गर्मी और पानी से दूर रखना चाहिए। हम सबको मिलकर फोन के इस्तेमाल को समझदारी से करना चाहिए ताकि ये हमारी जान न ले सकें।फोन के ज्यादा इस्तेमाल से हीटिंग की समस्या आती है, जिससे फोन में आग लग सकती है। किसी भी ब्रांड का स्मार्टफोन लेन से बिजली का झटका लग सकता है, क्योंकि उसमें खराब वायरिंग या पानी में गिरने से फाल्ट हो सकता है। ऐसे में हमेशा अच्छी डिस्प्ले वाले फोन खरीदने चाहिए।

बिहार में पेट्रोल और डीजल सस्ता

नई दिल्ली ।

पेट्रोल और डीजल की कीमतों में गुरुवार को कोई बदलाव नहीं हुआ है। जबकि देश के कुछ राज्यों में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी की गई है। कई राज्यों में पेट्रोल-डीजल सस्ता भी हुआ है। सरकारी तेल कंपनियों ने गुरुवार को भी सभी महानगरों में पेट्रोल और डीजल की कीमतें स्थिर ही रखी हैं। गुरुवार को बिहार में पेट्रोल-डीजल सस्ता हो गया है। यहां पेट्रोल के दाम 19 पैसे घटकर 107.12 रुपये प्रति लीटर और डीजल 18 पैसे घटकर 93.84 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है। महाराष्ट्र में पेट्रोल की कीमत 67 पैसे घटकर 103.87 रुपये प्रति लीटर और डीजल की कीमत 63 पैसे घटकर 90.42 रुपये प्रति लीटर हो गई है। इसके अलावा आंध्रप्रदेश, असम, छत्तीसगढ़, गुजरात, हरियाणा, जम्मू-कश्मीर, कर्नाटक, ओडिशा, पंजाब, तामिलनाडु , तेलंगाना और पश्चिम बंगाल में भी पेट्रोल-डीजल की कीमतें घटी हैं। नई दिल्ली में पेट्रोल की कीमत 94.72 रुपये प्रति लीटर और डीजल की कीमत 87.62 रुपये है। मुंबई में पेट्रोल की कीमत 104.21 रुपये और डीजल की कीमत 92.15 रुपये है। कोलकाता में पेट्रोल की कीमत 103.94 रुपये प्रति लीटर और डीजल की कीमत 90.76 रुपये प्रति लीटर है। चेन्नई में पेट्रोल की कीमत 100.75 रुपये प्रति लीटर और डीजल के दाम 92.34 रुपये प्रति लीटर है।

भारत में उच्च खाद्य मुद्रास्फीति भविष्य में कम गंभीर होगी: आरबीआई

नई दिल्ली ।

आरबीआई मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) के एक सदस्य ने कहा कि भारत में उच्च खाद्य मुद्रास्फीति की समस्या भविष्य में कम गंभीर होगी, क्योंकि विविध स्रोतों के साथ आधुनिक आपूर्ति श्रृंखलाएं विशिष्ट खाद्य पदार्थों की कीमतों में अचानक बढ़ोतरी से निपटने में मदद कर सकती हैं। भारत में घरेलू बजट में भोजन की हिस्सेदारी अधिक होने की बात पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि नीति के कृषि उत्पादकता बढ़ाने पर केंद्रित होने की जरूरत है, क्योंकि स्थिर कृषि कीमतें मुद्रास्फीति से परे वृद्धि के लिए महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने कहा कि जैसे-जैसे भारत विकसित होगा, इस उच्च खाद्य मुद्रास्फीति की गंभीरता कई कारणों से कम होती जाएगी। विविध स्रोतों वाली आधुनिक आपूर्ति श्रृंखलाएं विशिष्ट वस्तुओं के दाम बढ़ने पर उनसे निपटने में मदद करेंगी। किसी ने भी उन्नत अर्थव्यवस्थाओं में टमाटर या प्याज की कीमतों में बढ़ोतरी के बारे में नहीं सुना है। उन्होंने कहा कि हमारे पास स्वाभाविक रूप से विविध भौगोलिक क्षेत्र हैं, विभिन्न क्षेत्रों से बेहतर एकीकृत बाजार जलवायु परिवर्तन से प्रेरित खाद्य कीमतों में बढ़ोतरी को कम करने में मदद कर सकते हैं। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार मार्च में खुदरा मुद्रास्फीति घटकर पांच महीने के निचले स्तर 4.85 प्रतिशत पर आ गई, जिसका मुख्य कारण खाद्य पदार्थों की कीमतें कम होना रहा। खाद्य पदार्थों की मुद्रास्फीति मार्च में 8.52 प्रतिशत रही, जो फरवरी में 8.66 प्रतिशत थी। आरबीआई के गवर्नर शक्तिकांत दास ने हाल ही में कहा था कि मुद्रास्फीति 2024-25 में घटकर 4.5 प्रतिशत हो जाएगी। यह 2023-24 में 5.4 प्रतिशत और 2022-23 में 6.7 प्रतिशत थी।

कोटक महिंद्रा बैंक के नए क्रेडिट कार्ड जारी करने पर रोक

मुंबई । भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने आईटी मानदंडों का बार-बार अनुपालन न करने की वजह से कोटक महिंद्रा बैंक को ऑनलाइन एवं मोबाइल बैंकिंग के जरिये नए ग्राहक जोड़ने और क्रेडिट कार्ड जारी करने से तत्काल प्रभाव से रोक दिया। आरबीआई ने कहा कि कोटक महिंद्रा बैंक के आईटी जोखिम प्रबंधन, सूचना सुरक्षा संचालन में गंभीर कमियां पाए जाने पर ये कार्रवाइयां की गई हैं। बयान के मुताबिक, वर्ष 2022 और 2023 के लिए बैंक की सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) जांच से उत्पन्न महत्वपूर्ण चिंताओं और इन चिंताओं से समय पर तथा सही तरीके से निपटने में बैंक के लगातार नाकाम रहने के बाद यह कदम उठाना जरूरी हो गया था। आरबीआई ने दिसंबर, 2020 में बार-बार प्रौद्योगिकी संबंधी खराबी सामने आने पर एचडीएफसी बैंक पर भी नए कार्ड जारी करने और नई डिजिटल पहल शुरू करने पर रोक लगा दी थी।

एफएसएसएआई एकत्र कर रहा नेस्ले के सेरेलैक के नमूनेः सीईओ

नई दिल्ली । भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने गुरुवार को कहा कि वह नेस्ले के शिशु आहार सेरेलैक के भारत से नमूने एकत्र कर रहा है। हाल ही में एक रिपोर्ट में कहा गया था कि कंपनी उत्पाद में अधिक चीनी डाल रही है। एफएसएसएआई के एक वे रिष्ठ अधिकारी ने खाद्य सुदृढ़ीकरण पर एसोचैम के एक कार्यक्रम के मौके पर कहा कि हम देश भर से नेस्ले के सेरेलैक शिशु आहार के नमूने एकत्र कर रहे हैं। प्रक्रिया पूरी होने में 15-20 दिन लगेंगे। एफएसएसएआई स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के अधीन एक वैधानिक निकाय है। स्विट्जरलैंड के गैर सरकारी संगठन (एनजीओ) पब्लिक आई और इंटरनेशनल बेबी फूड एक्शन नेटवर्क (आईबीएफएएन) ने हाल ही में अपनी एक रिपोर्ट में कहा कि नेस्ले ने यूरोप के अपने बाजारों की तुलना में भारत सहित कम विकसित दक्षिण एशियाई देशों, अफ्रीकी तथा लैटिन अमेरिकी देशों में अधिक चीनी वाले शिशु उत्पाद बेचे। रिपोर्ट तैयार करने के लिए विभिन्न देशों में बेचे जाने वाले करीब 150 विभिन्न शिशु उत्पादों का अध्ययन किया गया। रिपोर्ट के अनुसार छह महीने के बच्चों के लिए नेस्ले का गेहूं आधारित उत्पाद सेरेलैक ब्रिटेन तथा जर्मनी में बिना किसी अतिरिक्त चीनी के बेचा जाता है, लेकिन भारत से विश्लेषण किए गए 15 सेरेलैक उत्पादों में एक बार के खाने में औसतन 2.7 ग्राम चीनी थी। हालांकि नेस्ले इंडिया ने कहा कि उसने पिछले पांच वर्षों में भारत में शिशु आहार उत्पादों में चीनी में 30 प्रतिशत तक की कमी की है।

टाटा कंज्यूमर का मुनाफा 26 फीसदी घटा

नई दिल्ली ।

टाटा ग्रुप की कंपनी टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स टाटा नमक और चाय जैसे कई प्रोडक्ट्स बनाती है। टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड ने मार्च तिमाही के नतीजे जारी कर दिए हैं। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया है कि वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही में उसका मुनाफा 26.69 प्रतिशत की गिरावट के साथ 212.26 करोड़ रुपये रह गया। नतीजे के साथ-साथ निवेशकों को बोर्ड ने 775 फीसदी (7.75 रुपये) फाइनल डिविडेंड का ऐलान किया है। वहीं टाटा एलेक्सी का मार्च में समाप्त चौथी तिमाही में मुनाफा 2.2 फीसदी घटकर 196.93 करोड़ रुपये रहा है। कंपनी ने पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 201.51 करोड़ रुपये का मुनाफा कमाया था। वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी का मुनाफा 1215.4 करोड़ रुपये था। इससे पहले वित्त वर्ष में 1320.14 करोड़ रुपये था। इस दौरान आय 15,205.85 करोड़ रुपये रही। इससे पूर्व वित्त वर्ष 2022-23 में यह 13,783.16 करोड़ रुपये थी। कंपनी ने बताया कि मुख्य रूप से ज्यादा खर्च होने के कारण कंपनी का मुनाफा कम हुआ है। इस गिरावट की वजह विलय, अधिग्रहण की लागत और वित्तीय साधनों पर मूल्य नुकसान आदि कई कारण रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक वित्त वर्ष 24 की चौथी तिमाही के दौरान टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स ने 29 नए स्टोर खोले और 6 नए शहरों में प्रवेश किया। इस वर्ष सबसे ज्यादा 95 स्टोर जोड़े गए।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार गुरुवार को बढ़त के साथ बंद हुआ। बाजार में ये तेजी दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के बाद भी बैंकिग के साथ ही एसबीआई के शेयरों में खरीददारी हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 486.50 अंक करीब 0.66 फीसदी बढ़कर साथ 74,339.44 अंक पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार पचास शेयरों पर आधारित नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 167.95 अंक तकरीबन 0.75 फीसदी ऊपर आकर 22,570.35 अंक पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान एक्सिस बैंक , एसबीआई, डॉ रेड्डीज लैब, जेएसडब्ल्यू स्टील और नेस्ले इंडिया निफ्टी के सबसे अधिक लाभ वाले शेयर रहे। वहीं कोटक महिन्द्रा बैंक , एलटीआई माइंडट्री, एचयूएल, एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस और टाइटन के शेयर गिरे हैं। वहीं गत दिवस भी बाजार तेजी के साथ बंद हुआ। इससे पहले आज सुबह बाजार की शुरुआत कमजोरी के साथ हुई। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 296.79 अंक गिरकर 73,556.15 पर आ गया। वहीं दूसरी तरफ निफ्टी 97.15 अंक गिरकर 22,305.25 पर आ गया। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से एक्सिस बैंक ने 3 प्रतिशत की बढ़त हासिल की। एचसीएल टेक्नोलॉजीज, एचडीएफसी बैंक और आईटीसी के शेयर लाभ में कारोबार कर रहे हैं। भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा कोटक महिंद्रा बैंक को नए क्रेडिट कार्ड जारी करने से रोकने के बाद बैंक के शेयर 9 फीसदी से अधिक गिरकर 1,673 रुपये पर आ गया। आज कारोबार के दौरान एक समय सेंसेक्स 300 अंक से ज्यादा की बढ़त हासिल कर फिर से 74,000 पार निकल गया था। सेंसेक्स में गुरुवार को 73,788.61 और 74,121.61 के रेंज में कारोबार हुआ। वहीं दूसरी तरफ नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के निफ्टी में भी 34.40 की बढ़त दर्ज की गई थी।

भारतीय बाजार में सेनहैजर ने नया इयरबडस उतारा

मुंबई । सेनहैजर के नए इयरबड्स मोमेंटम ट्रू वायरलेस 4 को भारतीय बाजार में लॉन्च कर दिया गया है। यह एक लेटेस्ट जनरेशन वाला फ्लैगशिप इयरबड्स है। इसकी कीमत 18,990 रुपये है। इयरबड्स ब्लैक कॉपर और मेटालिक सिल्वर और ग्रेफाइट कलर ऑप्शन में आएगा। इयरबड्स की प्री-बुकिंग 24 अप्रैल से शुरू हो गई है। इयरबड्स की बिक्री 1 मई 2024 से होगी। इसे अमेजन और लीडिंग आउटलेट स्टोर से खरीदा जा सकेगा। इस इयरबड्स में प्रीमियम टेक्नोलॉजी दी गई है। इसमें करीब एक दर्जन अपग्रेड्स और फ्यूचर फेसिंग टेक्नोलॉजी जैसे स्नैपड्रैगन साउंड टेक्नोलॉजी के साथ क्वालकॉम सपोर्ट दिया गया है। इयरबड्स में ऑराकॉस्ट और अल्ट्रा लो लेटेंसी मोड दिया गया है। इयरबड्स में हाई परफॉर्मेंस ऑडियो एक्सपीरिएंस दिया गया है।- इस सीरीज में हाई रेजोल्यूशन स्ट्रीमिंग सुविधा दी गई है। इयरबड्स में ब्लूटूथ 5.4 नेक्स्ट जनरेशन परफॉर्मेंस दिया गया है। इयरबड्स में ब्लूटूथ एलई ऑडियो के साथ एलसी 3 और ऑराकॉस्ट सुविधा दी जाएगी।

पीएम शहबाज से कारोबारियों ने भारत से व्यापार वार्ता शुरू करने का किया आग्रह

इस्लामाबाद ।

पाकिस्तान के कारोबारियों ने देश के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से व्यापार तथा वाणिज्य को बढ़ावा देने के लिए भारत के साथ व्यापार वार्ता शुरू करने का आग्रह किया है। शरीफ के साथ एक संवाद सत्र में उन्होंने यह आग्रह किया, जिससे नकदी संकट से जूझ रहे देश की अर्थव्यवस्था को काफी फायदा होगा। पाकिस्तान की वाणिज्यिक राजधानी में सिंध सीएम हाउस में एक घंटे की बैठक के दौरान कई बड़े सवाल उठे। कराची के व्यापारिक समुदाय ने आर्थिक मुद्दों से निपटने के लिए प्रधानमंत्री के दृढ़ संकल्प की सराहना की, लेकिन साथ ही उन्हें अर्थव्यवस्था की बेहतरी के लिए राजनीतिक स्थिरता लाने पर ध्यान केंद्रित करने की सलाह भी दी। एक समाचार पत्र की खबर के अनुसार, प्रधानमंत्री ने निर्यात के जरिए अर्थव्यवस्था को ऊपर उठाने के तरीके तलाशने के लिए व्यापारिक समुदाय के साथ बैठक की। हालांकि, उनके संकल्प को उद्योग जगत के लोगों की आशंकाओं का सामना करना पड़ा, जिन्होंने कहा कि मौजूदा परिस्थितियों में खासकर उच्च ऊर्जा लागत और असंगत सरकारी नीतियां के साथ व्यापार करना लगभग असंभव है। प्रधानमंत्री के संक्षिप्त भाषण के बाद सवाल-जवाब शुरू किए गए। इस दौरान व्यापार जगत के लोगों ने सरकार के हालिया कदमों की सराहना की, लेकिन और अधिक कदम उठाने की मांग की। उन्होंने वांछित परिणाम हासिल करने के लिए आर्थिक नीतियों पर प्रस्ताव भी साझा किए। पूंजी बाजार की दिग्गज कंपनी आरिफ हबीब समूह के प्रमुख आरिफ हबीब ने कहा कि कार्यभार संभालने के बाद आपने कुछ समझौते किए हैं, जिनके अच्छे परिणाम आए हैं और आईएमएफ सौदे पर प्रगति उनमें से एक है। उन्होंने कहा कि मेरा सुझाव है कि आप कुछ और समझौते करें। उनमें से एक भारत के साथ व्यापार को लेकर है, जिससे हमारी अर्थव्यवस्था को काफी फायदा होगा। दूसरा आपको अदियाला जेल के निवासी के साथ भी हाथ मिलाना चाहिए। उस स्तर पर भी चीजों को ठीक करने का प्रयास करें और मुझे विश्वास है कि आप यह कर सकते हैं।

ऑडी जून से वाहनों की कीमत दो प्रतिशत बढ़ाएगी

नई दिल्ली । जर्मनी की वाहन विनिर्माता ऑडी ने कच्चे माल की बढ़ती कीमत के प्रभाव को कम करने के लिए जून से भारत में अपने विभिन्न मॉडल की कीमतों में दो प्रतिशत तक की बढ़ोतरी करने की घोषणा की। वाहन विनिर्माता ने कहा कि एक जून 2024 से बढ़ी हुईं कीमतें प्रभावी होंगी। ऑडी इंडिया के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि कच्चे माल की बढ़ती लागत हमें एक जून 2024 से कीमतों में दो प्रतिशत तक की बढ़ोतरी करने के लिए मजबूर कर रही है। उन्होंने कहा कि इस कदम का मकसद वाहन विनिर्माता और उसके डीलर भागीदारों की सतत वृद्धि सुनिश्चित करना है। अे धिकारी ने कहा कि हमारी पूरी कोशिश है कि बढ़ती लागत का असर हमारे ग्राहकों पर यथासंभव कम से कम पड़े। ऑडी इंडिया की खुदरा बिक्री

हैप्पीएस्ट माइंड्स 779 करोड़ में प्योरसॉफ्टवेयर का करेगी अधिग्रहण

नई दिल्ली ।

आईटी कंपनी हैप्पीएस्ट माइंड्स टेक्नोलॉजीज लिमिटेड 779 करोड़ रुपये में प्योरसॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजीज का अधिग्रहण करने पर विचार कर रही है। कंपनी ने एक बयान में बताया कि हैप्पीएस्ट माइंड्स टेक्नोलॉजीज ने 779 करोड़ रुपये की कुल खरीद पर प्योरसॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड की 100 प्रतिशत शेयर पूंजी हासिल करने के लिए निश्चित समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं। हैप्पीएस्ट के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि हैप्पीएस्ट माइंड्स परिवार में प्योरसॉफ्टवेयर दल का स्वागत करते हुए मुझे खुशी हो रही है कि इस अधिग्रहण के जरिए हैप्पीएस्ट का लक्ष्य बीएफएसआई और स्वास्थ्य सेवा व जीवन विज्ञान क्षेत्रों में अपनी क्षमताओं को मजबूत करना है। प्योरसॉफ्टवेयर का नोएडा में मुख्यालय है और इसकी वैश्विक स्तर पर उपस्थिति है। यह केंद्रित क्षेत्रों में वैश्विक उद्यमों के साथ साझेदारी करता है जिसमें बैंकिंग तथा वित्तीय सेवाएं व बीमा (बीएफएसआई), स्वास्थ्य सेवा और जीवन विज्ञान, खुदरा तथा रसद के साथ ही गेमिंग और मनोरंजन शामिल हैं।

FOR SALE REAL ESTATE

We provide several modern-style houses that are very suitable for your family, with several types of interesting facilities in them. Get it soon, limited units.

Our housing is close to public roads and it's very easy to access by public transportation.

Our housing also has a public garden, where all residents can enjoy it.

Our housing has a playground for children that the children will definitely like.

For More Information you can contact us

Noida || Greater Noida || Yamuna Expressway || Jewar Airport

or visit us at

+91 9871577057 www.propreluxuryrealestate.com

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, राजेश चौधरी द्वारा वत्स ऑफसैट, मुद्दा हाउस, सी. ब्लॉक, बारात घर के सामने, सेक्टर-22, नोएडा से मुद्रित तथा ई-189, सेक्टर-63, नोएडा गौतमबुद्धनगर उ.प्र. से प्रकाशित।
संपादकः **जितेन्द्र चौधरी**, आरएनआई नं. UPHIN/2014/55236, किसी भी विवाद के लिए पीआरबी एक्ट अंतर्गत उत्तरदायी, फोन नं.: 9999511233, ई-मेल : vishalindianews@gmail.com, वेब : www.vishalindia.in